दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

विराट कर्ण, नाभा
नतेश नागबंधम ...8

बलरामपुर
शुक्रवार, 09 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 97 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

दिल्ली में कड़ाके की ठंड, न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार की सुबह लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा और यहां इस साल का सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के आंकड़ों के अनुसार यह इस मौसम का तीसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा। सफदरजंग में पारा गिरकर 5.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है, जिससे यह सर्दी के इस मौसम का तीसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान बन गया।

यूपी में 2.89 करोड़ वोटर्स गायब!

वोटर लिस्ट पर अखिलेश ने बीजेपी को घेरा, लगाया गंभीर आरोप

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा पर उत्तर प्रदेश में फर्जी वोट बनाने की कोशिश का आरोप लगाया। यह आरोप विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से 28 लाख नाम हटाए जाने के बाद लगाया गया है। उन्होंने जनता से अपने नाम की जांच करने का आग्रह किया ताकि उनके वोट प्रभावित न हों। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि मैं जनता से अपील करता हूं कि जब वे मतदान केंद्र पर पहुंचें तो मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांच लें। यादव ने कहा कि जनता को अपने वोट को लेकर आश्वस्त रहना चाहिए और भाजपा के झूठे प्रचार में नहीं फंसना चाहिए... पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा नेता उत्तर प्रदेश में एसआईआर से परेशान हैं। भाजपा नेता कह रहे हैं कि मतदाताओं की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा फर्जी वोट डालती है, तो समाजवादी पार्टी के लोग, जो श्पीडीए प्रहरीश का समर्थन करते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे। पूरी भाजपा फर्जी वोट डालने के मिशन पर है, क्योंकि इतने सारे वोट काटे गए हैं... मुख्यमंत्री खुद अधिकारियों को वोटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दे रहे हैं। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जनगणना चरण के पूरा होने के बाद मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन की घोषणा की। मसौदा मतदाता सूची से कुल 2.89 करोड़ नाम हटा दिए गए। प्रेस को संबोधित करते हुए नवदीप रिनवा ने कहा, ष्हमें लगभग 12 करोड़ 55 लाख जनगणना प्रपत्र प्राप्त हुए। इसका मतलब है कि इतने लोगों ने प्रपत्रों पर हस्ताक्षर करके यह दर्शाया कि उनके नाम मसौदा सूची में शामिल किए जाने चाहिए।

इंदौर जल घटना पर कांग्रेस का बीजेपी पर सीधा हमला

पवन खेड़ा बोले– जवाबदेही तय होगी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को कहा कि पार्टी इंदौर के भागीरथपुरा में हुए जल प्रदूषण मामले में जवाबदेही सुनिश्चित करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय रूप से इस मुद्दे को उठा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खेड़ा ने कहा कि हमारी राज्य इकाई इस मामले को लेकर लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है और हम यहां इस मुद्दे को सक्रिय रूप से उठा रहे हैं। हम जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटना दोबारा न हो। यह बयान इंदौर के भागीरथपुरा में हुए जल प्रदूषण मामले के बीच आया है, जिसकी व्यापक आलोचना हो रही है क्योंकि इसमें कई लोगों की जान चली गई और कई परिवार प्रभावित हुए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सभी प्रभावित लोगों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की थी। कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को लेकर राज्य–भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि इस घटना ने इंदौर की छवि धूमिल कर दी है, जो स्वच्छता के लिए प्रसिद्ध था और पूरे देश में पहले स्थान पर था। पत्रकारों से बात करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि इस घटना में सिर्फ 17 ही नहीं, बल्कि और भी कई लोगों की मौत हुई है। सबसे दुखद बात यह है कि इंदौर स्वच्छता में पहले स्थान पर था और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त थी, लेकिन इस घटना ने शहर का नाम खराब कर दिया है।

आई-पैक दफ्तर पर ईडी की रेड

बीजेपी का ममता पर सीधा हमला– सबूत मिटाने पहुंची थीं सीएम

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। यह हमला राजनीतिक परामर्श फर्म आई–पैक के कोलकाता स्थित कार्यालय में उनके दौरे के बाद किया गया, जिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के सिलसिले में छापा मारा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में पार्टी ने दावा किया कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री का जांच स्थल पर जाकर पार्टी के दस्तावेज और हार्ड डिस्क सुरक्षित करना, नुकसान को कम करने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह आपत्तिजनक सबूतों को छिपाने का प्रयास दर्शाता है। भाजपा ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में छिपाने जैसा कुछ नहीं है, तो एक मुख्यमंत्री आधिकारिक जांच स्थल से फाइलें सुरक्षित करने के लिए क्यों भागदौड़ करेगी?ष भाजपा ने जोर देकर कहा कि सच्चाई अंततः सामने आएगी और बंगाल भाजपा को वोट देगा।

भाजपा की ये टिप्पणी ईडी द्वारा आई–पीएसी कार्यालय समेत कई स्थानों पर की गई तलाशी के बाद पैदा हुए नाटकीय राजनीतिक टकराव के बीच आई है। ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरियों के एक संगठित गिरोह की देशव्यापी जांच के तहत तलाशी ली थी, जिस पर आरोप है कि उसने फर्जी नियुक्तियों के जरिए उम्मीदवारों को विभिन्न विभागों में ठगा था।

ममता बनर्जी ने सार्वजनिक सड़क पर स्थित आई–पीएसी कार्यालय का दौरा किया और केंद्रीय एजेंसी पर पार्टी से संबंधित डेटा, लैपटॉप, मोबाइल फोन और रणनीतिक दस्तावेजों को गैरकानूनी रूप से जब्त करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने छापेमारी के दौरान डेटा स्थानांतरित किया, इसे ष्अपराधष करार दिया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करने की चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आई–पीएसी कोई निजी संगठन नहीं बल्कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की अधिकृत टीम है। उन्होंने दावा किया कि ईडी ने मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित डेटा सहित पार्टी के संवेदनशील दस्तावेजों को जब्त कर लिया, जबकि टीएमसी एक पंजीकृत राजनीतिक दल है जो नियमित रूप से आयकर विवरण प्रस्तुत करता है।

अमित शाह से मिले पलानीस्वामी

तमिलनाडु चुनाव से पहले सेट किया नया सियासी समीकरण

नई दिल्ली। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया। पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एआईएडीएमके) की जीत की संभावना जताई और कहा कि वे गठबंधन के लिए अन्य पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने पत्रकारों से कहा कि कल रात 9 बजे मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। मैंने उनसे तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति के बारे में बात की और डीएमके शासन के अंत पर चर्चा की। एआईएडीएमके गठबंधन के लिए कई पार्टियों से बातचीत कर रही है और हम गठबंधन के साथ मिलकर तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। एआईएडीएमके के महासचिव ने तमिलनाडु में बढ़ते अपराध दर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य दौरे के दौरान सार्वजनिक सभाओं के कारण वे उनसे मिल नहीं पाए। पलानीस्वामी ने ओ. पनीरसेल्वम को एआईएडीएमके में पुनः शामिल करने के संबंध में अपनी पार्टी के रुख को दोहराते हुए कहा कि अमित शाह ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे पार्टी के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि डीएमके के सत्ता में आने के बाद अपराध बहुत बढ़ गया है और उनके शासन में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का कोई नामोनिशान नहीं है। जब गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु आए थे, तब मैं उनसे वहां मिल नहीं पाया क्योंकि मेरी वहां सार्वजनिक सभाएं थीं। ओ. पनीरसेल्वम के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है और इस संबंध में अमित शाह ने भी कहा है कि वे पार्टी के निजी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। पलानीस्वामी ने घोषणा की कि पट्टाली मक्कल काची एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई है और उन्होंने अन्य पार्टियों के भी गठबंधन में शामिल होने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, "पीएमके ने एआईएडीएमके के साथ हाथ मिला लिया है और जल्द ही कई और पार्टियां हमारे साथ जुड़ेंगी। मैं अभी यह बात सार्वजनिक रूप से नहीं कह सकता। सब कुछ तय हो जाने के बाद ही इसका खुलासा किया जाएगा. .. तमिलनाडु में एआईएडीएमके के नेतृत्व में सरकार बनेगी।" तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होने हैं।

सोनिया गांधी की अब कैसी है तबीयत? दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के डॉक्टरों ने दी बड़ी अपडेट

सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराई गई कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर है। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने यह जानकारी दी। अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी का इलाज चल रहा है और वे स्वस्थ हो रही हैं। सांस लेने में तकलीफ होने के बाद सोमवार को कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप ने बताया कि विस्तृत चिकित्सा जांच के बाद पता चला कि दिल्ली में ठंड और प्रदूषण के मिले–जुले प्रभाव से सोनिया गांधी के ब्रोंकियल अस्थमा की समस्या थोड़ी बढ़ गई थी। एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी और आगे के इलाज के लिए भर्ती करने का फैसला किया। स्वरूप ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और चिकित्सकीय जांच में पता चला कि ठंड और प्रदूषण के मिले–जुले प्रभाव से उनका ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था। एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।

अकाली दल–कांग्रेस और बीजेपी मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगे

नए जिला परिषद–ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए बोले सीएम मान

चंडीगढ़। नए चुनें गए जिला परिषद और ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है जो सिर्फ काम के नाम पर टवजम माँगती है। अकाली दल–कांग्रेस और बीजेपी एक साथ है, ये भगवंत मान को रोकना चाहते हैं लेकिन रोक नहीं पायेंगे। आपमें से ही कई लोग विधानसभा तक भी जाएँगे। आम आदमी पार्टी एक अनुशासित पार्टी है। दूसरी पार्टी वालों को तो माघी मेले में भाषण देने के लिए भी लोग नहीं मिल रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस और अकाली दल को वोट मत दे देना, यह पंजाब को बर्बाद कर देंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे के जाल में फंसा दिया था। हमारी सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने का अभियान चलाया और बड़े–बड़े नशा तस्करों को जेल में डाल दिया है। मेरी जनता से अपील है कि नशा तस्करों को संरक्षण देने वाली पार्टियों को वोट मत देना, यह पंजाब को फिर से बर्बाद कर देंगे। अगर इन लोगों को वोट दे दिया तो आपको फ्री बिजली मिलना बंद हो जाएगी, मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल बंद हो जायेंगे। युवाओं को नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिलता है। केजरीवाल जनता के चहेते उम्मीदवार को ही टिकट देंगे। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन–केंद्रित शासन के लिए किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने पार्टी से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की, जिसे उन्होंने आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर के नाम के दुरुपयोग से जुड़ा एक "शर्मनाक कृत्य" बताया। एक्स पर एक पोस्ट में मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अतीशी के ऐसे शब्द जोड़े हैं जो उन्होंने कभी नहीं बोले और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है।

जस्टिस वर्मा पर लोकसभा से बनेगी कमेटी? महाभियोग पर एलएस स्पीकर के फैसले को चुनौती वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर रिट याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष के उस निर्णय को चुनौती दी गई है जिसमें उनके आधिकारिक आवास पर बेहिसाब नकदी मिलने के संबंध में उनके खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत जांच समिति गठित करने का आदेश दिया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। कल, न्यायालय ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा गठित जांच समिति में कुछ खामियां हैं, और न्यायालय इस बात पर विचार करेगा कि क्या ये खामियां इतनी गंभीर हैं कि कार्यवाही समाप्त करने की आवश्यकता हो। 16 दिसंबर, 2025 को न्यायालय ने रिट याचिका के संबंध में लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय को नोटिस जारी किया था।

मराठी मानुष के लिए साथ आए उद्धव–राज ठाकरे, बोले– बीजेपी को सत्ता से बाहर करना जरूरी

मुंबई। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाह रखने वाले लोग केंद्र और राज्य में सत्ता में हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर वे नगर निगमों पर नियंत्रण कर लेते हैं, तो मराठी मानुष शक्तिहीन हो जाएंगे। राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के संयुक्त साक्षात्कार के पहले भाग में, जो गुरुवार को शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित हुआ, महाराष्ट्र निर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख ने कहा कि वे और उनके चचेरे भाई अपने अस्तित्व के लिए नहीं, बल्कि राज्य में ष्मराठी मानुषष के अस्तित्व के लिए एक साथ आए हैं। ठाकरे चचेरे भाइयों का साक्षात्कार शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत और जाने–माने निर्देशक महेश मांजरेकर ने लिया। दोनों भाइयों ने 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों के लिए पिछले महीने गठबंधन की घोषणा की थी। राज ठाकरे ने सामना को दिए साक्षात्कार में कहा कि राज्य के बाहर से लोग न केवल आजीविका के लिए आ रहे हैं बल्कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया, "यह एक पुराना घाव है। मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने के सपने को साकार करने के प्रयास जारी हैं।" राज ने कहा कि आज का माहौल कुछ वैसा ही है जैसा संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के दौरान था, जब गुजरात चाहता था कि मुंबई उसका हिस्सा हो जाए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाह रखने वाले केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में हैं।"

यूपी के परिषदीय स्कूलों में परीक्षा की तारीख घोषित, इसी महीने शुरू होंगे पेपर

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025–26 की द्वितीय सत्रीय परीक्षा 24 जनवरी से 31 जनवरी के बीच होगी। बेसिक शिक्षा निदेशक ने प्रदेश के सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा का आयोजन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा। प्रश्नपत्रों का निर्माण प्रधानाध्यापक या प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा कराया जाएगा।

आर.सी.सी. कॉलेज ऑफ़ फ़ार्मेसी, बस्ती में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आर.सी.सी. कॉलेज ऑफ़ फ़ार्मेसी, गनेशपुर बस्ती परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु एक भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा प्रकृति के संरक्षण का संदेश देना रहा। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ संदेश कॉलेज के माननीय चेयरमैन इंजिनियर शैलेश चौधरी जी द्वारा प्रेषित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संदेश प्रेषित मे कहा कि "वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक

पौधा लगाना भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित जीवन देने जैसा है।" उन्होंने अपने संदेश मे छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल पौधा लगाकर ही नहीं, बल्कि उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर (डॉ) के के गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि "शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व निभाना भी उनका कर्तव्य है। पौधरोपण जैसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।" कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकगण जीशान सर, सुहेल सर, अजय सर, सुधांशु सर, जूही मेम, वसीम सर, अंशुमान सर, अभूदय पाण्डेय सर, अभय सर, शशांक सर, इन्द्रेश सर, अंकित सर,पंकज सर ने भी पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि "हर विद्यार्थी यदि वर्ष में एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है।" इस अवसर पर कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, शिक्षकगण एवं अन्य स्टॉफ महेश पाण्डेय, बृजेश पाण्डेय, जयबिंद, रंजू, रवि व प्रेमदास की सहभागिता रही। अंत में सभी ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली।

अनन्ता हार्ट एंड कैंसर हॉस्पिटल में हृदय रोग के उपचार का पूरा प्रबन्ध– राहुल चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अनन्ता हार्ट एंड कैंसर हॉस्पिटल में सप्ताह में तीन दिन अपनी सेवाएं दे रहे प्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ (लारी कार्डियोलॉजिस्ट) डा. दीपक कुमार राय ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में हृदय रोगियों की संख्या में लगातार और तेजी से वृद्धि हुई है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की बदलती जीवनशैली, शारीरिक श्रम की कमी, तथा फास्टफूड और जंकफूड का बढ़ता चलन है। डा. दीपक ने बताया कि पहले हृदय रोग को सामान्यतः 40 वर्ष की आयु के बाद होने वाली बीमारी माना जाता था, लेकिन आज के दौर में आधुनिक जीवनशैली, मानसिक तनाव, देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन पर अधिक समय बिताना तथा असंतुलित खान–पान के कारण 25 से 35 वर्ष के युवा भी हृदय रोग के शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति आने वाले समय में और भी भयावह रूप ले सकती है, यदि समय रहते लोगों में जागरूकता नहीं लाई गई। ठंड के दिनों में विशेष सावधानी की जरूरत है। उन्होंने बताया कि आजकल लोग घर का पौष्टिक और संतुलित भोजन छोड़कर तले–भुने, पैकेटबंद और रेडी–टू–ईट खाद्य पदार्थों पर अधिक निर्भर हो गए हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों में मौजूद अधिक नमक, चीनी, ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स हृदय की धमनियों को धीरे–धीरे संकुचित कर देते हैं, जिससे ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डा. राय ने कहा कि हृदय रोग की पहचान शुरुआती चरण में हो जाए तो इसका इलाज अपेक्षाकृत आसान होता है। इसके लिए उन्होंने लोगों को रूटीन स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। विशेष रूप से जिन लोगों को ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, धूम्रपान या पारिवारिक हृदय रोग का इतिहास है, उन्हें नियमित रूप से हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हृदय से जुड़ी किसी भी समस्या में विशेषज्ञ चिकित्सक से ही इलाज कराना चाहिए, क्योंकि गलत इलाज जानलेवा साबित हो सकता है। अनन्ता हार्ट एंड कैंसर हॉस्पिटल के प्रबन्धक राहुल चौधरी ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग से संबंधित सभी आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर प्रत्यारोपण, 2–डी इको, टीएमटी (ट्रेडमिल टेस्ट), ईसीजी सहित अन्य आवश्यक कार्डियक जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। राहुल चौधरी ने बताया कि अस्पताल में अनुभवी चिकित्सकों की टीम और अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मरीजों को जिले में ही उच्च स्तरीय हृदय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि गंभीर स्थिति में मरीजों को तुरंत इलाज भी मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य है कि आम जनमानस को कम खर्च में बेहतर, सुरक्षित और भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा मिल सके। डा. दीपक कुमार राय ने कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव से दूरी, पर्याप्त नींद और नशे से परहेज बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, सही जानकारी और विशेषज्ञ इलाज से हृदय रोग को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

ठंड से बचाव के लिये रेडक्रास सोयायटी ने जरूरतमंदों को बांटा कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भयंकर शीतलहर और ठंड के प्रकोप को देखते हुए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी बस्ती ने भूअर गांव में जरूतमंदों में कंबल, बिस्किट, जैसी राहत सामग्री बांटकर मानवता का परिचय दिया। सचिव रंजीत श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी लगातार समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ ना कुछ कार्य करती रहती है। हर व्यक्ति को समाज में आगे आकर मानवता का परिचय देना चाहिए, इस भयानक शीतलहर में जरूरतमंद लोगों को कंबल लगातार निस्वार्थ भाव से कर वितरण कर एक छोटी सी

मदद की गई है, जिससे किसी व्यक्ति की ठंड की वजह से जान न जाये, इसी कड़ी में आज लगभग 110 कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक व सोसाइटी के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार ओझा ने कहा कि सोसाइटी लगातार जरूरतमंदों को चिन्हित कर कंबल वितरण करायेगी। उपसभापति डा. एल के पांडे ने कहा कि मानवता ही सर्वोपरि है, रेडक्रॉस सोसाइटी प्रमोद चौधरी ने पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लोगों में विश्वास जताया की रेडक्रॉस सोसाइटी की संपूर्ण टीम उनके साथ सदैव खड़ी है। कार्यक्रम मे समाजसेवी अजय चौहान ने बढ़ चढ़ कर सहयोग किया। रेडक्रॉस सोसाइटी के सक्रिय सदस्य रणविजय सिँह, लक्ष्मी अरोरा, समाजसेवी संध्या दीक्षित, मधु मिनोत्रा, ने कंबल बॉटने मे भरपूर सहयोग किया।

गोआश्रय केन्द्र पर लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई – बीडीओ रामानन्द वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। गोवंशीय पशुओं को ठण्ड से बचाव के लिए चारों तरफ से पन्नी लगाएं तथा हर पशु को काऊ कोट अवश्य पहनायें। उक्त बातें बुधवार को विकास खण्ड जोगिया के ग्राम खेतवल मिश्र स्थित गोआश्रय केन्द्र पहुंचे बीडीओ रामानन्द वर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों के शिकायत को संज्ञान में लेते हुए मौके पर ग्राम सचिव व पशुचिकित्साधिकारी संग गोआश्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सभी गोवंशीय पशु स्वस्थ पाये गये। उन्होंने ग्राम प्रधान व केयर टेकरों को निर्देश देते हुए कहा कि ठण्ड से बचाव का हर सम्भव प्रयास करें। लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि मौके पर केयर टेकर द्वारा पशुओं को हरा चारा के साथ पोष्टिक आहार खिलाते पाया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी प्रदीप कुमार ने कहा कि पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित जांचकर दवाएं दी जाती हैं। इस दौरान सचिव मुस्तफा, प्रधान हरखू, केयर टेकर कन्हैया, बंशराज, पल्टू, लालमोहर समेत अन्य उपस्थित रहे।

नायब तहसीलदार की कार्यवाही से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप

jkLrs rFkk i'kqpj dh Hkwfe ls gVok;k vfrØe.k

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देशन तथा उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल के मार्ग निर्देशन में तहसील प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर तहसील क्षेत्र में ग्राम समाज तथा पशुचर की भूमि से अवैध कब्जा लगातार हटवाया जा रहा है। अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए जुर्माना भी लगाया जा रहा है। इसके तहत अब तक कई गांव में अब तक बीस हेक्टेयर भूमि खाली कराई जा चुकी है। उक्त जानकारी नायब तहसीलदार इटवा राघवेंद्र पांडेय ने दी है।उन्होंने बताया कि लाधिकारी के निर्देशन तथा उपजिलाधिकारी कुणाल के मार्गदर्शन में इटवा तहसील क्षेत्र में ग्राम समाज तथा खलिहान एवं पशुचर सहित अन्य ग्राम समाज की भूमि से

अवैध कब्जा हटवाने का अभियान विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद लगातार चलाया जा रहा है।जिसके तहत सबसे पहले क्षेत्र के ग्राम तुरकौलिया में ग्राम समाज के गाटा संख्या 359, 360 ,361,362, 80 पर राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर 1.081हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा चुका है।इसके बाद ग्राम गोनरा में भी ग्राम समाज की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया।इसी क्रम में क्षेत्र के ग्राम बेलहसा मे खलिहान की आंशिक भूमि से राजस्व टीम द्वारा कब्जा हटाया गया है । ग्राम मूसा तप्पा कोप मे गाटा संख्या 159/2.480 हे० बंजर की भूमि को पैमाइश कर कब्जा मुक्त कराया जा चुका है। इसी गांव में पशुचर की लगभग एक सौ बीघा को राजस्व टीम तथा पुलिस द्वारा अवैध कब्जा से मुक्त कराया गया है। इस पर शासकीय सम्पत्ति का बोर्ड लगाकर सुरक्षित किया गया । इसके अलावा ग्राम बरगदवा पूर्वी में गाटा संख्या 773/0 .090 हेक्टेयर रास्ता तथा इसी ग्राम में गाटा संख्या 1.5920 हेक्टेयर पशुचर की भूमि पर से स्थायी कब्जे को जेसीबी लगाकर हटवाया गया है।उक्त अवैध कब्जा गांव के मोहम्मद शाहिद खान पुत्र अब्दुल गनी द्वारा किया गया था। टीम में नायब तहसीलदार राघवेंद्र पांडेय के अलावा राजस्व निरीक्षक अनिरुद्ध प्रसाद,लेखपाल राजीव सिंह व विजय कुमार ,चन्द्रलाल तथा दीनानाथ आदि एवं पुलिस बल के साथ अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

पीड़ित ने इलाज में लापरवाही में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा लिखकर उचित एवं प्रभावी कार्रवाई करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत हलौरा निवासिनी विमला देवी पत्नी छद्दू ने थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह से बहुत की इलाज में लापरवाही में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा लिखकर उचित एवं प्रभावी कार्रवाई करने की मांग किया है। पीड़ित ने थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ से बताया कि वह ग्राम पंचायत हलौरा पोस्ट महथा बाजार जनपद सिद्धार्थनगर की निवासी है। प्रार्थी की बहू सावित्री पत्नी राजेश पासवान का डिलीवरी होना था। वह अपनी बहू की डिलीवरी करने के लिए दिनांक 01 दिसम्बर 2025 को शोहरतगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले गई थी, जहां शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के गोल्हौरा गांव की रहने वाली आशा कार्यकत्री रेनू ने बताया कि तुम्हारी बहु का खून कम है और यहां खून नहीं मिल पायेगा और सरकारी हॉस्पिटल तो सरकारी होता है। प्राइवेट में सुविधा बहुत मिलती है। इस बात को कहते हुए आशा ने प्रार्थिनी को इतना डरा दिया कि अगर वह सरकारी

अस्पताल से अपनी बहू को प्राइवेट हॉस्पिटल में नहीं जाएगी तो उसकी बहू से साथ कुछ अनहोनी हो सकती है। उसने यह भी बताया कि प्राइवेट हॉस्पिटल में खून चढ़ जाता है। आशा कार्यकत्री रेनू मेरी बहू सावित्री को उसी दिन दिनांक 01/12/2024 को शोहरतगढ़ के एक प्राइवेट हॉस्पिटल जनहित हॉस्पिटल एण्ड फैक्चर क्लीनिक में ले गई, जहां मेरी बहू का जबरिया ऑपरेशन करवा दिया गया। मेरे लड़कों ने ऑनलाइन भुगतान भी किया था। दूसरे दिन 02/12/2025 को अस्पताल के संचालक डॉ0 अरविन्द तिवारी कहने लगे कि मरीज का पेशाब रुक गया है और इसे झटका भी आ रहा है। इसका इलाज गोरखपुर होगा और जबरिया 02/12/2025 को सुबह 6रू00 बजे ही हॉस्पिटल के मालिक अपने निजी वाहन से मेरी बहू को गोरखपुर इलाज के लिए भेज दिये और बताया कि तुम्हारी बहू की तबियत अधिक खराब हो गयी थी, इसलिए गोरखपुर में इलाज कराया जायेगा। प्रार्थिनी हॉस्पिटल के संचालक की बातों में आकर वह भी उसके साथ गोरखपुर चली गई। वहां एक प्राइवेट हॉस्पिटल में मेरी बहू को 3 दिनों तक रखा गया था, बेहतर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत दिन–ब–दिन खराब होती जा रही थी। मेरी बहू ने भी कहा कि अम्मा यहां कुछ सुई–दवाई नहीं कर रहे है, केवल ऑक्सीजन का मशीन लगाये हैं और इलाज नहीं कर रहे हैं, हमको लेकर घर चलो। फर्जी डॉ0 अरविन्द तिवारी द्वारा भेजे गये अस्पताल में ज़ब कोई फायदा ही नहीं मिल रहा तो बहू की दर्द को देखकर वह उसे घर ले आई। फिर पैसे का इंतजाम करके 14/12/2025 को वह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ गयी। जहां से मेरी बहू को जिला मुख्यालय रेफर कर दिया गया। इसके बाद जिला मुख्यालय से भी मेरी बहू को उसी दिन गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उसकी इलाज चल रही थी, लेकिन तीसरे दिन 16.12.2025 को मेरी बहू ने अपना दम तोड़ दिया। बहू की क्रियाकर्म करके अब आप–बीती घटना की सूचना थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ को दे रही हूं। .पया करके इस लापरवाही में दोषी सभी लोगों के विरुद्ध मुकदमा लिखकर उचित एवं प्रभावी कार्रवाई करने की .पा करें।

पुलिस ने जबरन वसूली व मार–पीट के आरोपी को किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर मीरा चौहान मय टीम द्वारा गुरुवार को थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0 02/2026 धारा 308(5) बीएनएस व 3(1)द, 3(2)अ एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अभियुक्त को जोगिया चौराहा से गिरतार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरतार अभियुक्त राममोहन उर्फ मोहन यादव पुत्र ओम प्रकाश निवासी जोगिया थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरतारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर मीरा चौहान, कांस्टेबल विकास सिंह, कांस्टेबल विरेन्द्र यादव मौजूद रहें।

मिशन शक्तिपुलिस टीम ने पति-पत्नी के आपसी विवाद को सुलझाकर बिखरने से बचाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक भवानीगंज बृजेश सिंह के नेतृत्व में व थाने पर नियुक्त मिशन शक्ति केन्द्र के अथक प्रयास से गुरुवार को श्रीमती रोशनी देवी व उनके पति सूरज दुबे के बीच पारिवारिक बातों से हुए मनमुटाव को लेकर दोनों पक्ष विगत 02 वर्ष से आपसी विवाद के कारण अलग–अलग रह रहे पति–पत्नी के बीच सहमति से सुलह समझौता कराकर एक परिवार को बिखरने से बचाया गया। इस दौरान मिशन शक्ति पुलिस टीम में उप निरीक्षक राम शब्द यादव, कांस्टेबल रोशन राय, महिला आरक्षी उर्मिला, महिला आरक्षी किरन यादव मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति केन्द्र के तहत चला जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। थाना क्षेत्र उसका के ग्राम पंचायत गनेरा में मिशन शक्ति केन्द्र के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। वर्तमान मे हो रहे पैसो की धोखाधडी/साईबर फ्राड/ व सोशल मीडिया (व्हाट्स एप्प फेसबुक,ट्वीटर जैसे सोशल प्लोटफार्म) पर अनावश्यक रूप से अवैध कमेंट/आपत्तिजनक वीडियो और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरूपयोग जैसे अपराधो और साईबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया । डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में साईबर अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन हरे . ष्ण उपाध्याय थानाध्यक्ष थाना उसका जनपद सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में मिशन शक्ति केन्द्र के द्वारा बृहस्पतिवार को गनेरा गांव के लोगो को साईबर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत साइबर अपराधों से बचने के सम्बन्ध मे जानकारी दी गयी

सोशल मीडिया (वाट्सएप , फेसबुक, ट्वीटर–X जैसे सोशल प्लेटफार्म) पर अनावश्यक रूप से अवैध कमेंट/आपत्तिजनक वीडियो और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरूपयोग से हो रहे अपराधो के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 और एन सी आर पी पोर्टल पर रिपोर्टिंग निर्देशो से अवगत कराया गया व साथ ही शासन द्वारा जारी महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन जैसे 1090 वुमेन पावर हेल्पलाइन/ यू0पी0 112 तथा वर्तमान में हो रहे पैसो की धोखाधडी/साईबर फ्राड व पुलिस सहायता हेल्पलाइन/ 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/ 1098 चाइल्ड केयर हेल्पलाइन/ 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन /102 एम्बुलेंस सेवा (गर्भवती महिलाओं के लिए)/ 101 अग्निशमन हेल्पलाइन/ 1930 साइबर हेल्पलाइन/ 14567 एल्डर हेल्पलाइन से सम्बन्धित सेवाओं से अवगत कराया गया।

उक्त समय पर उपनिरीक्षक जगदीश पाण्डेय, ग्राम प्रधान चन्द्रजीत जायसवाल, सफाई कर्मी घनश्याम, रामदयाल, आशा सीमा,मोलहु जायसवाल, जोगी आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका बांसी के फल मण्डी में लगी आग, 02 व्यापारियों का हुआ लाखों का नुकसान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत रानी लक्ष्मीनगर नरकटहा स्थित बांसी फल मण्डी में बुधवार देर सांय भीषण आग लगने से हड़कम्प मच गया। आपको बता दें कि उक्त घटना उत्तर प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह के महल से सटी फल मण्डी में हुई, जहां अज्ञात कारणों से कई कैरेट फल आग की चपेट में आ गये। आग की लपटें और धुएं का गुबार करीब कई किलोमीटर दूर तक आसमान में दिखाई देता रहा। वहीं आगजनी घटना बुधवार देर सांय करीब 8 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अचानक फल मण्डी से धुआं उठता दिखा, जो कुछ ही देर में विकराल आग में तब्दील हो गया। आग लगते ही फल मण्डी में अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कई व्यापारियों का लाखों रुपए का माल जलकर राख हो चुका था। इस अग्निकाण्ड में सबसे अधिक नुकसान शमीम अहमद फ्रूट कम्पनी को हुआ है। नगर पालिका बांसी राजेन्द्र नगर निवासी शमीम अहमद थोक फल व्यापारी हैं। उनकी कम्पनी में रखे फलों के कैरेट पूरी तरह जल गये, जिससे उन्हें 14 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। वहीं महाराष्ट्र आलू फ्रूट कम्पनी के मालिक मोहम्मद मोतीख निवासी मोहल्ला राजेन्द्र नगर की कम्पनी में रखे करीब 600 पेंटी सेब से भरे कैरेट और एसी चौम्बर भी आग की चपेट में आ गये। अनुमान के अनुसार उन्हें 15 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। आग की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित व्यापारियों से बातचीत कर नुकसान का आकलन किया और सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार भी मौके पर मौजूद रहें। प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दे दिये हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग की लपटें काफी तेज थीं और ऊंचा धुआं उठने के कारण पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। हालांकि समय रहते दमकल विभाग की कार्रवाई से आग को फैलने से रोक लिया गया, जिससे आसपास की अन्य दुकानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

नड़ौरा गांव में होगा जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत लुचुइया के नड़ौरा गांव में इस बार नड़ौरा प्रीमियर लीग–2026 के बैनर तले जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका उदघाटन 11 जनवरी 2026 को होगा। नड़ौरा प्रीमियर लीग–2026 के आयोजक अंशिका फर्टिलाइजर एण्ड ट्रेडर्स चोड़ार चौराहा के विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि नड़ौरा गांव के पूरब बागीचे के पास स्थित मैदान में जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारी टूर्नामेंट कमेंटी के लोगों द्वारा तेजी से किया जा रहा है। टूर्नामेन्ट कमेंटी के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय व उपाध्यक्ष गोलू उपाध्याय ने बताया खेल मैदान की साफ– सफाई युद्ध स्तर पर चल रहा है और पिच की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। टूर्नामेन्ट कमेंटी के सभी जिम्मेदार साथियों के सहयोग से शीघ्र ही बाकी कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिसका उदघाटन 11 जनवरी को दिन में 11 बजें किया जायेगा। नड़ौरा प्रीमियर लीग–2026 के आयोजक व अध्यक्ष द्वारा जिले के क्रिकेट खिलाड़ियों व टूर्नामेंट टीमों को नड़ौरा प्रीमियर लीग–2026 में प्रतिभाग करने का आग्रह किया गया है। जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट के आयोजक विवेक कुमार उपाध्याय है। टूर्नामेन्ट टीम के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय के साथ गोलू उपाध्याय, संदीप, मोनू, अभिषेक, रोहित, निलेश, साइराज, सुन्दरम, रघुनाथ, हिमांशु, स्कन्द, सुभाष और निखिल टूर्नामेन्ट कार्यक्रम का देख–रेख करेंगे।

भरवलिया निवासी पीड़ित ने धन लेकर काम न करने व धमकी देने का लगाया आरोप, ठेके पर मिट्टी पटाई का काम अधूरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ अन्तर्गत बजहां बाजार के एक गांव में मिट्टी पटाई के ठेके को लेकर विवाद सामने आया है। आरोप है कि ठेके की रकम लेने के बावजूद काम अधूरा छोड़ दिया गया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि बार–बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। आपको बता दें कि ग्राम पंचायत भरवलिया निवासी जंगी साहनी पुत्र बनारसी साहनी ने गनवरिया गांव के शकील अहमद पुत्र फकरुद्दीन को 1 लाख 15 हजार रुपये में मिट्टी पटाई का ठेका दिया था। जंगी साहनी के मुताबिक 25 मार्च 2025 को 80 हजार रुपये एडवांस दिये गये थे और एक माह में काम पूरा करने का आश्वासन मिला था। हालांकि कई महीने बीत जाने के बाद भी काम अधूरा है। वहीं पीड़ित जंगी साहनी का आरोप लगाया कि जब उन्होंने काम पूरा करने का दबाव बनाया, तो आरोपी शकील अहमद ने काम करने से इनकार कर दिया और ष्जो करना है कर लोष कहते हुए धमकी दी। जंगी साहनी ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और आरोपी के घर जाने पर गाली–गलौज की जाती है, जिससे उनका परिवार भयभीत है। जंगी साहनी ने बताया कि वह पिछले दो महीनों में दो बार चौकी में शिकायत दे चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने 07 जनवरी 2026 को फिर से लिखित शिकायत दी है। उन्हें नये चौकी इंचार्ज से न्याय मिलने की उम्मीद है। वहीं आरोपी शकील अहमद और उनके पिता फकरुद्दीन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनके मुताबिक 80 हजार रुपये नींव पटाई के लिए तय हुए थे और बाद में 1 लाख 10 हजार रुपये गड्ढा पटाई के लिए, लेकिन उन्हें कुल 80 हजार रुपये ही मिले हैं। उन्होंने धमकी देने के आरोप को भी झूठा बताया। जंगी साहनी की मांग है कि ठेके पर जितना काम हुआ है, उतना पैसा रख लें और शेष धन वापस करें। इस सम्बन्ध में बजहां चौकी इंचार्ज अखिलेश कुमार मिश्रा ने कहा है कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच की जायेगी। हालांकि अब तक कार्रवाई न होने से इस जनहित से जुड़े मामले में पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

नेपाली पुलिस ने नशीली दवाओं के साथ 04 लोगों को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के जिला कपिलवस्तु अन्तर्गत दिनांक 2082.09.20 को सुबह 12:45 बजे, जिला कपिलवस्तु यशोदरा ग्रामीण नगरपालिका वार्ड संख्या–0। मर्यादपुर, कपिलवस्तु पुलिस चौकी, 5 मुडिला चौक से तैनात पुलिस दल ने भारत से नेपाल आ रही मोटर साइकिल (नम्बर लू61प 3570) की जांच किया। जांच के दौरान मोटर साइकिल चालक 35 वर्षीय अमरनाथ तिवारी वार्ड नम्बर–03, मायादेवी ग्रामीण नगरपालिका, जिला कपिलवस्तु के पास से एसपीएम पीआरएक्स+ वोकहार्ट नामक दवा की 70 कैप्सूल और एन–10 की 20 गोलियां बरामद कर वाहन सहित उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कपिलवस्तु जिला न्यायालय ने उसकी रिमाड 05 दिनों के लिए बढ़ा दी। आगे की जांच जिला पुलिस कार्यालय, तौलिहवा, कपिलवस्तु में जारी है। इसी क्रम में दिनांक 2082.09.21 को शाम 5 बजे, कपिलवस्तु जिले के शुद्धोधन ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड संख्या–06, गौरीगंज निवासी 24 वर्षीय अतीकुर रहमान को कपिलवस्तु के हाथीहावा दोहानी पुलिस चौकी से तैनात पुलिस दल ने संदिग्ध होने के सन्देह में गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से प्रोक्सीम स्पास नामक नशीले पदार्थ की 16 गोलियां छिपी हुई मिलीं। उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया और कपिलवस्तु जिला न्यायालय ने उसकी रिमाण्ड 10 दिनों के लिए बढ़ा दी। आगे की जांच कपिलवस्तु के तौलिहवा स्थित जिला पुलिस कार्यालय में जारी है। वहीं दिनांक 2082.09.22 को शाम 5 बजे, कपिलवस्तु जिले के बाणगंगा नगरपालिका–2 के तिनाइया निवासी 23 वर्षीय सुरेश थारू के घर पर मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिलने पर कपिलवस्तु जिले के पिपरा स्थित क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय से पुलिस की एक टीम सुरेश थारू की तलाशी लेने गई। वहां उनके पास से 360 मिलीग्राम (प्लास्टिक सहित) शुद्ध तिल (प्लास्टिक से निकाला हुआ) और 270 मिलीग्राम एलए (भूरे रंग का तरल पदार्थ जो भूरी चीनी जैसा दिखता है) बरामद हुआ। उनके साथ कपिलवस्तु जिला न्यायालय में रहने वाले 31 वर्षीय दान बहादुर चौधरी भी मिले। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया और कपिलवस्तु जिला न्यायालय ने उनकी रिमाण्ड 07 दिनों के लिए बढ़ा दी। आगे की जांच कपिलवस्तु जिले के पिपरा स्थित क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय में जारी है। उक्त जानकारी सूचना अधिकारी/पुलिस उप अधीक्षक रिपेन्द्र कुमार सिंह ने दी है।

अलीगढ़वा में केपीएल सीजन–2 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू प्रथम पुरस्कार रू80000 व द्वितीय पुरस्कार रू17000

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। जिले के अलीगढ़वा में कपिलवस्तु प्रीमियर लीग (केपीएल) सीजन–2 का शुभारम्भ हो गया है। 06 जनवरी

2026 को शुरू हुए इस टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना है। इस प्रतियोगिता के आयोजक मण्डल में डॉ0 शमीम, कलीमुल्लाह और अध्यक्ष साजिद प्रमुख रूप से शामिल हैं। टूर्नामेन्ट के उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह देखा गया। कमेंट्री की जिम्मेदारी उस्मान और राजू ने संभाली है। टूर्नामेन्ट को सफल बनाने में रिजवान अहमद, राज कुमार, अनीस खान, सुरेन्द्र और मो0 उस्मान (कमेन्ट्रेटर) का विशेष सहयोग मिल रहा है। उपाध्यक्ष फरहाद अहमद की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजकों के मुताबिक टूर्नामेन्ट की एंट्री फीस 3200 रुपये निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 30,000 रुपये और द्वितीय पुरस्कार 17,000 रुपये रखा गया है। मैन ऑफ द सीरीज को ट्रॉफी/उपहार, मैन ऑफ द मैच को उपहार तथा बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और बेस्ट फील्डर को भी पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

पचमोहिनी गांव में गरीब कल्याण संस्था ने बांटे कम्बल, सैकड़ों जरूरतमन्दों को मिली ठण्ड से राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़ के जिला पंचायत वार्ड नं0–10 अन्तर्गत ग्राम पंचायत पचमोहिनी टोला मुडिला में गरीब एवं जरूरतमन्द लोगों के बीच गुरुवार को कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कड़ाके की ठण्ड से राहत पाने वालों में बुजुर्ग, महिलाएं तथा अत्यन्त गरीब परिवार प्रमुख रूप से शामिल रहे। कम्बल वितरण का यह सराहनीय कार्य गरीब कल्याण संस्था के सभी सदस्यों के दिशा–निर्देश में सम्पन्न हुआ। संस्था पिछले 08 वर्षों से लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर जरूरत के मुताबिक गरीब, बेसहारा और असहाय लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाई जाती है, जिससे उन्हें कठिन परिस्थितियों में राहत मिल सके।कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रामगोपाल यादव ने कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की सेवा करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में जरूरतमन्द लोग रहेंगे, तब तक गरीब कल्याण संस्था अपनी सेवा निरन्तर जारी रखेगी। कम्बल पाकर जरूरतमन्दों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। स्थानीय लोगों ने गरीब कल्याण संस्था एवं उसके अध्यक्ष रामगोपाल यादव के इस मानवीय कार्य की भूरी–भूरी प्रशंसा की और इसे सच्ची मानव सेवा का उदाहरण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आनन्द सिंह ने की, जबकि संयोजक की भूमिका रवि यादव ने निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी रामगोपाल यादव उपस्थित रहे। उनके साथ संजय यादव, भारत निषाद, अमर मोहम्मद मुकीम, मसीहुद्दीन चौधरी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भारतीय नागरिक को ब्राउन हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के नेपालगंज स्थित नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो की शाखा ने ब्राउन हेरोइन के साथ एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरफ्तार व्यक्ति 33 वर्षीय फिरोज खान है, जो उत्तर प्रदेश राज्य के बहराइच जिले के लौकही का रहने वाला है। ब्यूरो के मुताबिक बुधवार शाम करीब 6 बजे एक विशिष्ट सूचना के आधार पर लालपुर, गुलारिया नगरपालिका–11, बर्दिया के पास उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया। वहीं गिरफ्तारी के दौरान फिरोज खान ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेने के लिए उस पर दो बार गोली चलाई। पुलिस के मुताबिक एक गोली उसके दाहिने पैर में लगी और दूसरी चूक गई। गोली लगने के बाद फिरोज खान को हिरासत में लिया गया और कानून के मुताबिक उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की दाहिनी जेब से भूरे रंग का हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ। ब्यूरो ने बताया कि जब्त की गई दवाओं का वजन प्लास्टिक सहित 283 ग्राम था और डिजिटल तराजू पर मापने के बाद प्लास्टिक हटाने के बाद शुद्ध वजन 266 ग्राम (560 मिलीग्राम) था। वहीं फिरोज खान से तीन मोबाइल फोन भी बरामद किये गये हैं। नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो की नेपालगंज शाखा कार्यालय के मुताबिक जब्त की गई ड्रग्स और अन्य सामग्री को आवश्यक जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए जिला पुलिस कार्यालय बर्दिया को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक घटना के बाद घायल फिरोज खान के इलाज के लिए व्यवस्था की गई है, जबकि मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क की आगे की जांच जारी है।

पुराने व घटिया ईंटों से हो रहा खड़ंजा निर्माण, लाखों का गोलमाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड मिठवल की ग्राम पंचायत रमवापुर दूबे में चल रहा खड़ंजा निर्माण भ्रष्टाचार और सरकारी धन की खुली लूट का जीता–जागता उदाहरण बन गया है। भैरव के घर से अजय कुमार के घर तक बनाये जा रहे खड़ंजे में पुराने व घटिया स्तर की ईंटें, मानक से कम मोटाई और बिना बेस के निर्माण किया जा रहा है, जिससे लाखों रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका गहराती जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक जिस गुणवत्ता की ईंटें पंचायत स्तर पर उपयोग होनी चाहिए, उसकी जगह भट्ठे की टूट–फूट और कमजोर और पुराने ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। मानक के मुताबिक खड़ंजा निर्माण से पहले मिट्टी की खुदाई, लेयरिंग, गिट्टी व बालू की समुचित बिछाव अनिवार्य होती है, लेकिन यहां केवल औपचारिकता निभाकर ऊपर से ईंटें लगा दी गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे निर्माण कार्य पर ग्राम सचिव और ग्राम प्रधान की सीधी पकड़ है और भुगतान से लेकर सामग्री आपूर्ति तक हर स्तर पर "कमाऊ–खाऊ नीति" के तहत खेल किया जा रहा है। न तो किसी तकनीकी अधिकारी की नियमित निगरानी हो रही है और न ही गुणवत्ता की कोई जांच। वहीं एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि "यह खड़ंजा पहली बरसात में ही बैठ जायेगा, लेकिन कागजों में इसे करोड़ों का टिकाऊ निर्माण दिखा दिया जायेगा।" सबसे गम्भीर पहलू यह है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं, जिससे यह सन्देश जा रहा है कि सिस्टम में अब पंचायत सचिव ही सरकार बन चुका है। यदि कोई यह देखना चाहता है कि सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार किस तरह जमीनी स्तर पर लागू होता है, तो उसे रमवापुर दूबे आना चाहिए – जहां विकास नहीं, बल्कि लूट की सड़क बिछाई जा रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि खड़ंजा निर्माण की तकनीकी जांच, भौतिक सत्यापन और भुगतान की ऑडिट कराई जायें।

दैनिक बुद्ध का संदेश के पत्रकार दिलीप श्रीवास्तव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन डुमरियागंज इकाई द्वारा गुरुवार को संगठन के सक्रिय सदस्य पत्रकार स्वर्गीय दिलीप श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। यह शोकसभा डुमरियागंज स्थित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कार्यालय में तहसील अध्यक्ष राजेश पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। शोकसभा के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष राजेश पाण्डेय एवं महामंत्री अफजान फारूकी ने स्व. दिलीप श्रीवास्तव के निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान

श्रीवास्तव एक कर्मठ, सक्रिय एवं प्रतिबद्ध पत्रकार थे, जो संगठन की गतिविधियों में हर स्तर पर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते थे। शोकसभा में उपस्थित पत्रकारों ने उनके साथ बिताए गए संस्मरणों को साझा करते हुए उनके योगदान को याद किया मनोज शुक्ला, इंतजार हैदर, एडवोकेट राजीव अग्रहरि, काजी रहमतुल्लाह, वसीम अकरम, आफताब, अशफाक अहमद, नसीम अहमद, योगेश यादव, काजी फरीद, छोटे पाण्डेय, शाहिद, सूरज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की ...

शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराना अनुचित

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर–शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे–बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर–शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर–शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है। सही मायनों में नगरपालिका के अधिकारियों को अपना काम करना चाहिए और शिक्षकों को भी अपना काम करने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समस्या केवल शिक्षकों की ही नहीं है बल्कि यह हमारे नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसे में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा अन्यत्र काम सौंपना, कहीं न कहीं छात्रों और छात्राओं को शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित करने जैसा भी है।

कोहरा है सड़क पर मोबाइल से बात न करें

सड़क पर भीषण कोहरा है। सर्द रातों में जबकि कोहरे में लिपटी हुई सड़कों पर दृश्यता शून्य की स्थिति है तो ऐसे में मोबाइल से कदापि बात न करें। फर्राटा भरते हुए वाहन चाहे वह दो पहिया हों अथवा चार पहिया याकि भारी वाहनों के चालक हों, वाहन चलाते हुए मोबाइल फोन पर बात करना प्रायः उनकी आदत होती है। आमतौर पर जब हम रास्ते में चलते हैं तो देखते हैं कि लोग मोबाइल से बातें करते हैं। आपने भी गौर किया होगा। आज की बात है, मैं सुबह रास्ते में जा रहा था, एक लड़का एक हाथ से बाइक की हैंडल पकड़े हुए था, दूसरे से मोबाइल पर व्हाट्सऐप चला रहा था। ईयर फोन लगाकर चलना आम बात है। दरअसल बात यह है कि मैसेज फोबिया से ग्रस्त मनोरोगियों की एक विशाल फौज खड़ी है। सोशल मीडिया में स्वयं को नायक समझने अथवा नायिका के बोध होने के भ्रम में प्रायः प्रत्येक व्यक्ति मनोरोगी हो चुका है। लाइक्स और कमेंट की वायवीय दुनिया ने व्यक्ति को मृत्यु के गड्ढे में धकेला है। दरअसल व्यक्ति हर पल अपने मोबाइल में व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम को देखता रहता है। रास्ते में भी उसकी यही आदत रहती है कि वह सोशल मीडिया में स्वयं के स्टेटस को चेक करे। पिछले वर्ष शहर में से दस पांच बाइक सवारों 18 से 22 वर्ष की उम्र के लड़कों की मृत्यु ऐक्सिडेंट से हुई है। हाईस्कूल और इंटर में पढ़ने वाले किशोर वय के छात्र प्रायः बेसुध होकर बाइक चला रहे हैं और काल के विकराल गाल में समा जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि माता पिता, एक अभिभावक के रूप में अपने अपने नाबालिग बच्चों को बाइक अथवा कार कम से कम दें। भीषण कोहरे में तो कदापि न दें।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

कर वसूली के साथ जरूरी सुविधाएं भी तो मिलें

काफिलों का मानकीकरण हो। हर सरकारी दौरे और कार्यक्रम के खर्च का सार्वजनिक विवरण अनिवार्य किया जाए। जब नागरिक देखेगा कि सत्ता स्वयं संयम बरत रही है तब वह कर को बोझ नहीं बल्कि सहभागिता मानेगा। कर केवल वसूली नहीं बल्कि यह एक सामाजिक समझौता है। नागरिक कहता है कि मैं अपनी मेहनत का हिस्सा दूंगा, क्योंकि राज्य मेरी सामूहिक जिम्मेदारी लेगा। आज नागरिक कर का विरोध नहीं ...

देश में दोहरी कर प्रणाली आम नागरिक के लिए असंतोष का कारण बन रही है। पहले वेतन पर आयकर और फिर खर्च पर जीएसटी। यह भी कि सत्ताधारी लोग सुविधाओं में जीते हैं और आम नागरिक मूल जरूरतों के लिए जूझते हैं। कर ढांचा न्याय व समानता पर आधारित होना चाहिए। भारत का आम नागरिक आज कर व्यवस्था को लेकर गहरे असमंजस में है। उसे लगता है कि उसकी मेहनत और ईमानदारी ही उसके लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। राष्ट्र निर्माण का दायित्व निभाने वाला यही वर्ग सबसे अधिक दबाव में है। इस असंतोष की जड़ में वह संरचना है जिसे आम भाषा में दोहरी कर व्यवस्था कहा जाता है। कागजों में यह व्यवस्था तर्कसंगत दिखाई देती है। लेकिन धरातल पर यही व्यवस्था नागरिक की जेब और विश्वास दोनों पर चोट करती है।

एक नागरिक महीने भर श्रम करता है। वेतन पाता है। उसी वेतन पर वह आयकर देता है। लेकिन कर यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। कर कटने के बाद बची हुई आय से जब वह दवा खरीदता है। भोजन करता है। ईंधन भरवाता है। बच्चों की शिक्षा या किसी सेवा का भुगतान करता है तो हर कदम पर उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देना पड़ता है। सरकार का तर्क है कि आयकर कमाने पर है और जीएसटी व्यय पर। तकनीकी रूप से यह बात सही हो सकती है। लेकिन आम नागरिक के लिए आय का स्रोत एक ही होता है और खर्च भी उसी सीमित राशि से होता है। पैसा वही रहता है। केवल कर के नाम बदल जाते हैं। बोझ कम नहीं होता।

यह पीड़ा तब और गहरी हो जाती है जब नागरिक सत्ता शीर्ष पर बैठे लोगों की जीवनशैली देखता है। प्रश्न तब केवल कानूनी नहीं रह जाता बल्कि नैतिक हो जाता है। आम नागरिक पूछता है कि जब उसने अपनी आय पर कर चुका दिया तो जीवन की हर जरूरत पर दोबारा कर क्यों? लोकतंत्र में इस प्रश्न को असंगत नहीं कहा जा सकता।

कानूनी सच्चाई यह है कि सांसदों और विधायकों का वेतन आयकर के दायरे में आता है और वे कर देते हैं। लेकिन असमानता वेतन में नहीं बल्कि सुविधाओं में है। सरकारी आवास, बिजली– पानी, यात्रा, चिकित्सा, सुरक्षा व स्टाफ जैसी सभी सुविधाओं का बाजार मूल्य अत्यंत ऊंचा है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को यह या तो मुफ्त मिलता है या नाममात्र शुल्क पर। वहीं आम नागरिक इन्हीं सुविधाओं के लिए अपनी कर देने के बाद बची आय से पूरा भुगतान करता है। कागजों में कर समान है लेकिन जीवन की वास्तविक लागत में गहरी खाई दिखती है। इस असंतुलन को और उजागर करती है उद्घाटन और दौरों की संस्कृति। मामूली से कार्यक्रम के लिए भी नेता विमान या हेलिकॉप्टर से पहुंचते हैं। सुरक्षा के नाम पर लंबे काफिले चलते हैं। सड़कें रोकी जाती हैं। प्रशासनिक तंत्र उसी आयोजन में झोंक दिया जाता है। इन सब पर होने वाला खर्च लाखों और कई बार करोड़ों में होता है। यह खर्च देश के राजस्व से होता है। यानी उसी करदाता के पैसे से जो स्वयं यातायात में फंसा हुआ अपने ईंधन का पूरा मूल्य और कर चुका रहा होता है।

कृषि आय को कर से मुक्त रखने का निर्णय अपने समय में मानवीय और आवश्यक था। खेती जोखिम भरा और मौसम पर निर्भर है। छोटे किसान की आय अस्थिर होती है। लेकिन समय के साथ इस छूट का दुरुपयोग भी बढ़ा। अनेक गैर किसान और प्रभावशाली लोग अपनी आय को कृषि आय दिखाकर टैक्स से बचते रहे। असली किसान तक इस व्यवस्था का कितना लाभ पहुंचा यह आज भी स्पष्ट नहीं। इससे कर व्यवस्था के प्रति अविश्वास और गहराता है।

मूल प्रश्न इससे भी आगे का है। जब नागरिक कर देता है तो बदले में उसे क्या मिलता है। शिक्षा आज भी निजी संस्थानों पर निर्भर है। स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हैं। वृद्धावस्था की सुरक्षा सीमित है। रोजगार अनिश्चित है। कर चुकाने के बाद भी जीवन की बुनियादी जिम्मेदारियां नागरिक को स्वयं उठानी पड़ती हैं। ऐसे में कर राष्ट्र निर्माण की साझेदारी नहीं बल्कि मजबूरी जैसा लगने लगता है। यही अंतर भारत और डेनमार्क जैसे देशों में दिखाई देता है। वहां कर अधिक है, लेकिन बदले में नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की ठोस गारंटी मिलती है। इसलिए कर वहां बोझ नहीं बनता। भारत में कर दरें कम बताई जाती हैं लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर जोड़ दिए जाएं तो मध्यम वर्ग पर वास्तविक बोझ कहीं अधिक दिखाई देता है। सुविधाएं फिर भी सीमित रहती हैं।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह दोहरी कर व्यवस्था न किसी एक दल की देन है और न ही किसी एक सरकार की। यह आजादी के बाद विकसित हुई कर संरचना का परिणाम है। समय बदला। अर्थव्यवस्था बदली। नागरिक की अपेक्षाएं बदलीं। लेकिन कर व्यवस्था का मूल स्वरूप लगभग जस का तस बना रहा। इसलिए आज यह असहज लगने लगी है। यह आरोप का विषय नहीं बल्कि सुधार का अवसर है। आवश्यकता यह है कि कर सुधार की शुरुआत सत्ता के आचरण से हो। उद्घाटन संस्कृति पर नियंत्रण लगे। हवाई यात्राएं केवल अपरिहार्य स्थितियों में हों।

{ जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण–तत्व है। इस विश्वसनीयता को बनाये रखना, और इसके लिए संघर्ष करना पत्रकारिता का दायित्व भी है और सच्ची और अच्छी ... }

उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता साहस

जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण–तत्व है। देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में पीने के दूषित पानी के कारण चौदह लोग मारे गये और दो सौ से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। मरने वालों और बीमार होने वालों की यह संख्या एक आंकड़ा मात्र नहीं है, यह हमारी समूची व्यवस्था पर लगा एक सवालिया निशान है, जिसका उत्तर देना त्रासदी से जुड़े सभी व्यक्तियों, जिनमें उच्च अधिकारी और संबंधित मंत्री शामिल हैं, का दायित्व है। प्रशासन और संबंधित मंत्री महोदय ने पीड़ितों की सहायता और स्थिति को सुधारने का आश्वासन दिया है। मामला गंभीर है और अपनी तरह का पहला कांड भी नहीं है। देश के अलग–अलग हिस्सों में इस तरह की आपराधिक लापरवाही के उदाहरण अक्सर मिलते रहते हैं। इस मामले में राज्य के संबंधित मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना 'अपराध' भी स्वीकार किया है और खेद भी व्यक्त किया है। अब मामले की जांच होगी, कुछ कार्रवाई भी होगी। और फिर इसे भी पहले की ऐसी वारदातों की तरह भुला दिया जायेगा, आवश्यकता भूल जाने की इस प्रवृत्ति से निपटने की है। यह याद रखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्तियों–विभागों की लापरवाही के कारण इतना गंभीर कांड हो गया, जो किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है। लेकिन इस त्रासदी के साथ जुड़े दो पक्ष और भी हैं, जिन्हें याद रखा जाना चाहिएदृ पहले तो यह कि इस कांड के दौरान देश ने अपने एक बड़े माने जाने वाले नेता की उथली सोच और व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत किया है और दूसरा पक्ष उस एक पत्रकार के व्यवहार वाला है, जिसने मंत्री महोदय के घटिया उद्गारों का तत्काल विरोध किया। जहां अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री, क्षमा मांगने के बावजूद लोक–मर्यादा के कटघरे में खड़े हैं, वहीं उस पत्रकार की सब प्रशंसा कर रहे हैं, जिसने पूरी गंभीरता और साहस के साथ मंत्री महोदय को यह जता दिया कि उनका व्यवहार अशोभनीय ही नहीं, शर्मनाक भी था। यह बात क्षमा मांग कर रफा–दफा करने की नहीं है, अपना आपा खोने वाले ऐसे मंत्री को इतने जिम्मेदार पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन प्रशंसा उस पत्रकार की होनी चाहिए, जिसने इस कांड में पूरे साहस और निर्भीकता के साथ मंत्री महोदय को उनकी औकात दिखाई। घटना के वीडियो वायरल हो जाने वाले इस समय में कोई यह कहकर बच नहीं सकता कि उसने ऐसा नहीं कहा था अथवा उसे गलत उद्धृत किया जा रहा है। सब कुछ सबके सामने आ जाता है। इंदौर के इस कांड में स्पष्ट दिख रहा है कि मंत्री जी ने पत्रकार के वाजिब और जरूरी सवाल को सिर्फ 'फोकट' का प्रश्न ही नहीं बताया बल्कि ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया जो सभ्य समाज में अभद्र माना जाता है। लेकिन इस मामले में प्रशंसनीय बात पत्रकार अनुराग द्वारी का साहस है जो उन्होंने मंत्री महोदय के सामने प्रकट किया। प्रशंसनीय इसलिए कि हमारे आज के दौर में किसी पत्रकार का इस तरह का साहस दिखाना अपने आप में एक समाचार है। कारण कुछ भी रहे हों, लेकिन हकीकत यही है कि हमारी आज की पत्रकारिता पर सत्ता के समक्ष झुकने के आरोप आये दिन लग रहे हैं और इसके उदाहरण भी अक्सर मिलते रहते हैं। यही नहीं, मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से की तो पहचान ही 'गोदी मीडिया' वाली हो गयी हैदृगोदी मीडिया यानी सत्ता के समक्ष नतमस्तक पत्रकारिता। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तो यह प्रवृत्ति अखबारों से कहीं ज्यादा ही दिख रही है। अपवाद अवश्य हैं, पर इनसे तो नियम ही सिद्ध होते हैं। ऐसे में अनुराग द्वारी जैसे पत्रकार का इस तरह साहस दिखाना सुखद आश्चर्य ही देता है। यह अपने आप में एक विडंबना ही है कि जो साहस और स्पष्टवादिता पत्रकारिता का आवश्यक गुण माना जाता था, वह आज की पत्रकारिता में खोजे नहीं मिलता। एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार अनुराग द्वारी ने इस गुण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्थिति की विकटता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि कभी साहसी और निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक माना जाना वाला समाचार चौनल अपने ही इस साहसी पत्रकारिता के उदाहरण को उचित महत्व नहीं दे पाया। 'उचित महत्व न दे पाया' कहना इसलिए जरूरी है कि यह मानना सही नहीं होगा कि चौनल एनडीटीवी वाले इस 'साहस' को जानते या समझते नहीं हैं। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारे अधिकांश समाचार चौनल व्यावसायिक और सत्ताधारी दबावों में काम करते दिख रहे हैं। हमारी पत्रकारिता की शोचनीय स्थिति है यह। अनायास ही आपातकाल के वे दिन याद आ रहे हैं जब 'झुकने के लिए कहे जाने वाली पत्रकारिता रेंगने लगी थी' आपातकाल के दौरान अधिकांश मीडिया संस्थानों ने सत्ता के समक्ष जैसे आत्मसमर्पण कर दिया था, वह हमारे लोकतंत्र और हमारी पत्रकारिता दोनों के इतिहास के काले पन्नों वाला काल था। यह एक दुर्भाग्य ही है कि आज के इस 'गोदी मीडिया' वाले काल की पत्रकारिता कुछ इसी तरह के संकेत दे रही है। ऐसे में किसी अनुराग द्वारी का दिखाया गया साहस उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता है। जुगनू सूरज नहीं हो सकता, पर इस बात की उम्मीद तो जगाता है कि हर अंधेरे को चुनौती दी जा सकती है। चुनौती दी जानी चाहिए। अनुराग द्वारी ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री को बड़े साहस और स्पष्टता के साथ समझा दिया था कि कुछ भी कहने और करने के सत्ता के भ्रम को तोड़ा जा सकता है। सत्ता चाहे राजनीतिक हो या फिर आर्थिक, सच्ची पत्रकारिता उसके सामने झुकेगी तो अपने दायित्व से च्युत ही होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां टेस्ट पांच विकेट से जीत कर एशेज 4–1 से अपने नाम की

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज श्रृंखला 4–1 से अपने नाम की। पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई।

इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला। लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। घ्ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार (कैच और स्टंप) किए।

चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा, ''यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रृंखला के दौरान अलग–अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है।''

स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया और फिर अपने साथी खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन को गले लगाया। उन्होंने रिवर्स स्वीप से चौका लगाकर अपना खाता खोला और फिर दो रन लिए। लाबुशेन को 20 रन के निजी योग पर जीवनदान मिला जब बेथेल ने उनका आसान कैच छोड़ दिया।

लाबुशेन ने इसका फायदा उठाकर जैक्स के अगले ओवर में 16 रन बनाए। लेकिन तभी ख्वाजा ने जोश टोंग की गेंद अपने विकटों पर खेल दी। इस तरह से उनकी आखिरी पारी सात गेंदों तक चली और उन्होंने सिर्फ छह रन बनाए। उन्होंने मैदान पर बने 'थैंक यू उजी' के साइन के सामने घुटने टेककर जमीन को चूमा और 88 टेस्ट मैचों के बाद आखिरी बार पवेलियन लौट गए। इसके बाद लाबुशेन 40 गेंदों पर 37 रन बनाकर रन आउट हो गए। उन्होंने मिड–ऑफ की तरफ ड्राइव किया और एक रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन कैरी ने उन्हें वापस भेज दिया।

उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन था। इसके बाद कैरी और ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। स्मिथ ने कहा, ''विश्व टेस्ट चौंपियनशिप को देखते हुए हम हर टेस्ट मैच के महत्व को जानते हैं, इसलिए यहां जीत हासिल करना और श्रृंखला का शानदार अंत करना बेहद खुशी की बात है।'' इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, '''यह हार पचा पाना मुश्किल है। हम इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने प्रत्येक मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो अपनी हार के लिए कुछ हद तक हम भी जिम्मेदार हैं।''

इससे पहले इंग्लैंड में पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 302 रन से आगे बढ़ाई और 40 रन जोड़कर अपने बाकी बचे दोनों विकेट गंवाए। स्टार्क ने बेथेल और टोंग (06) को आउट करके इंग्लैंड की पारी समाप्त की। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत तेज गति से की और पहले ओवर में ही 10 रन बना लिए, जिसमें हेड के दो चौके भी शामिल थे। हेड 29 रन बनाकर सीमा रेखा के पास कैच आउट हो गए।

पहली पारी में 163 रन बनाने वाले हेड को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उनके साथी सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड को 16 रन के निजी योग पर विवादास्पद डीआरएस निर्णय से जीवनदान मिला। उन्होंने टोंग की गेंद पर आउट होने से पहले 34 रन बनाए। निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) ने श्रृंखला के आखिरी दिन भी इंग्लैंड का साथ नहीं दिया। जब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी नुकसान के 33 रन था तब वेदरल्ड ने ब्रायडन कार्स की गेंद पर शॉट खेलने के प्रयास में विकेटकीपर को कैच दे दिया, लेकिन अंपायर अहसान रजा ने अपील ठुकरा दी। इसके बाद इंग्लैंड ने डीआरएस लिया। डीआरएस तकनीक से ऐसा प्रतीत हुआ कि जब गेंद वेदरल्ड के बल्ले के निचले हिस्से से गुजरी और विकेटकीपर तक पहुंची, तब हल्की सी सरसराहट हुई। लेकिन टीवी अंपायर कुमार धर्मसेना ने माना कि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि गेंद बल्ले को स्पर्श करके गई थी। स्टेडियम की स्क्रीन पर डीआरएस रिप्ले देखने के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ी स्तब्ध रह गए। कार्स अंपायर रजा से बहस करने लगे जिसके बाद स्टोक्स को हस्तक्षेप करके उन्हें दूर हटाना पड़ा।

स्टोक्स ने शांत भाव से अंपायर के पास जाकर निर्णय प्रक्रिया पर चर्चा की और खेल जारी रखा। पांचवें टेस्ट मैच के पांच दिनों में कुल दर्शकों की संख्या 211,032 रही, जो सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के लिए एक रिकॉर्ड है।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोप में राष्ट्रीय कोच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, एनआरएआई ने निलंबित किया

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चौंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया, ''एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे।'' भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, ''एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।' पीड़िता ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसके अनुसार, पिछले महीने करणी सिंह रेंज में एक अभ्यास सत्र के बाद यह घटना घटी थी।

पिछले साल अगस्त से भारद्वाज के साथ प्रशिक्षण ले रही इस युवा निशानेबाज ने बताया कि वह इस घटना से सदमे में है और उन्होंने बार–बार पूछे जाने पर एक जनवरी को अपनी मां को इसकी जानकारी दी। अपनी एफआईआर में 17 वर्षीय खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि भारद्वाज उसे मोहाली, पटियाला, देहरादून और दिल्ली जैसे स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए बुलाते थे, लेकिन वह हमेशा उसी दिन घर लौट आती थी। पीड़िता ने कहा कि घटना वाले दिन वह राष्ट्रीय चौंपियनशिप में भाग लेने के लिए टैक्सी से अकेले ही करणी सिंह रेंज गई थी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद जब वह घर जा रही थी, तो कोच ने उसे अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए रुकने को कहा। इस युवा खिलाड़ी ने अपनी शिकायत में बताया कि कोच ने पहले उसे फरीदाबाद के सूरजकुंड इलाके में एक होटल की लॉबी में मिलने के लिए कहा। लेकिन वहां पहुंचने पर कोच ने कथित तौर पर उसे अपने कमरे में आने के लिए मजबूर किया और कहा कि उसके प्रदर्शन को लेकर अधिक गहन चर्चा करने की जरूरत है। पीड़ित खिलाड़ी ने बताया, ''कोच ने मुझे लिफ्ट वाले एरिया में आने को कहा। जब मैं लिफ्ट वाले एरिया में गई तो कोच ने मुझसे कहा कि उन्होंने यहां एक कमरा बुक किया है, इसलिए मेरे कमरे में आ जाओ। मैं तुमसे वहां खेल के बारे में बात करूंगा।''

उन्होंने फिजियोथेरेपी तकनीक का जिक्र करते हुए कहा, ''वह मुझे तीसरी मंजिल पर एक कमरे में ले गए और मैच के बारे में चर्चा की। कुछ देर बाद मैंने सर से कहा कि मैं घर जाना चाहती हूं, लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि वह मेरी पीठ की हड्डी चटका (एक तरह का व्यायाम) देंगे।'' पीड़िता ने एफआईआर में बताया, ''मैंने तुरंत इनकार कर दिया लेकिन इसके बावजूद सर ने मुझे जबरदस्ती पेट के बल लिटाया और मेरा यौन उत्पीड़न किया। जब मैंने विरोध किया तो उन्होंने मुझे धमकी दी।''

उन्होंने कहा, ''कोच ने मुझे धमकी दी कि मैं इस घटना के बारे में किसी को नहीं बताऊं वरना वह मेरे पेशेवर करियर को बर्बाद कर देगा। इस घटना के बाद मैं बहुत डर गई और मैंने किसी को कुछ नहीं बताया।'' इस खिलाड़ी में बताया कि घटना के बाद उनके व्यवहार में बदलाव देखकर जब उसकी मां ने बार–बार उससे पूछा, तब जाकर उसने आखिरकार सब कुछ बताया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

पूर्व पिस्टल निशानेबाज भारद्वाज को अपने करियर के दौरान बीटा–ब्लॉकर के इस्तेमाल के लिए 2010 में डोपिंग प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। निशानेबाजी, तीरंदाजी और बिलियर्ड्स के खिलाड़ियों के लिए बीटा–ब्लॉकर प्रतिबंधित हैं क्योंकि यह हृदय गति, मांसपेशियों में कंपन और चिंता को कम करने में मदद करते हैं।

मिशन शक्ति टीम ने ग्राम सिसवा पलिया मे जाकर महिलाओं/बालिकाओं से बचाव के सम्बन्ध में किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 गुप्ता के नेतृत्व में गुरुवार को थानाक्षेत्र के ग्राम सिसवा पलिया मे जाकर महिलाओं/बालिकाओं

अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक चिल्हियां राजेश कुमार को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। वहीं दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला सम्बन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउन्सलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर तथा नये कानून के बारें में जानकारी दी गई।

बेला बनी मेरिनेरा, रूस का झंडा लगाना भी काम नहीं आया, बीच समुंदर अमेरिका ने कैसे चलाया मिशन धुरंधर

उत्तरी अटलांटिक में संयुक्त राज्य अमेरिका ने उस तेल टैंकर को जब्त कर लिया जिसे अब मेरिनेरा के नाम से जाना जाता है। पहले बेला 1 कहलाने वाला यह जहाज वेनेजुएला, ईरान और रूस से जुड़े तेल शिपमेंट पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेना के अनुसार, अमेरिकी बलों ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए जहाज को ष्जब्तष् कर लिया। रूस द्वारा सुरक्षा के लिए एक नौसैनिक पोत भेजे जाने के बावजूद, तटरक्षक बल ने लंबे पीछा करने के बाद टैंकर पर चढ़कर कार्रवाई की। माना जाता है कि हाल के वर्षों में यह पहली बार है जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूसी ध्वज वाले किसी जहाज को जब्त किया है। टैंकर ने ईरान से अपनी यात्रा शुरू की और नवंबर में ओमान की खाड़ी से रवाना हुआ। यह स्वेज नहर और जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से गुजरने के बाद दिसंबर की शुरुआत में अटलांटिक महासागर को पार कर गया।

कैरिबियन में पहली मुठभेड़

21 दिसंबर को अमेरिकी तटरक्षक बल ने कैरिबियन सागर में जहाज को रोका। उस समय, टैंकर अभी भी बेला 1 नाम से चल रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनके पास जब्ती वारंट था क्योंकि जहाज वैध राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहरा रहा था। हालांकि, चालक दल ने तटरक्षक बल को जहाज पर चढ़ने से मना कर दिया। इसके बजाय, जहाज अलग होकर अटलांटिक महासागर में चला गया, और अमेरिकी सेना उसका पीछा करती रही।

झंडा चेंज कर बदली पहचान

पीछा जारी रहने के दौरान, चालक दल ने जहाज को अमेरिकी जब्ती से बचाने के लिए कदम उठाए। जहाज के बाहरी हिस्से पर एक रूसी ध्वज रंगा गया, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, जहाज उस देश के संरक्षण में होते हैं जिसका ध्वज वे फहराते हैं। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यह प्रयास विफल रहा क्योंकि तटरक्षक बल द्वारा पहली बार संपर्क किए जाने पर जहाज वैध राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहरा रहा था। इसके तुरंत बाद, जहाज ने अपनी पहचान बदल ली। बेला 1 का नाम बदलकर मेरिनेरा कर दिया गया और इसे रूस के आधिकारिक जहाजरानी रजिस्टर में शामिल कर लिया गया, जिसमें काला सागर पर स्थित सोची को इसका गृह बंदरगाह बताया गया।

मॉस्को का राजनयिक दबाव

रूस ने तब अमेरिका से औपचारिक राजनयिक अनुरोध किया कि वह टैंकर का पीछा करना बंद कर दे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुरोध नए साल की पूर्व संध्या पर अमेरिकी विदेश विभाग को भेजा गया था। इसके बावजूद, पीछा जारी रहा। अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि टैंकर पर प्रतिबंधों का उल्लंघन करने और ईरानी तेल का परिवहन करने का आरोप है। वेनेजुएला पर अमेरिकी दबाव बढ़ने के साथ ही, जहाज ने अचानक अपना मार्ग बदल दिया। 15 दिसंबर को, यह कैरिबियन सागर के पास रुका और फिर यूरोप की ओर वापस मुड़ गया। यह घटना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला के तेल टैंकरों की ष्पूर्ण नाकाबंदीष् की घोषणा के बाद हुई। रिपोर्टों के अनुसार, रूस ने जहाज की सुरक्षा के लिए और भी कदम उठाए। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि रूसी नौसेना ने टैंकर की सुरक्षा के लिए एक पनडुब्बी तैनात की थी। कार्रवाई के बाद भड़का रूस

रूस जो वेनेजुएला का पुराना साथी है और मादुर रिजीम का समर्थक रहा है। इस कार्यवाही से भड़का हुआ है। रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर कड़ी आपत्ति जताई।

उनका कहना है कि यह जहाज अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र यानी इंटरनेशनलॉटर्स में था और रूसी झंडे के साथ चल रहा था। रूस ने कहा कि उनका जहाज अमेरिकी तट से करीब 4000 कि.मी. दूर था। फिर भी अमेरिकी सेना उसका पीछा कर रही थी। उन्होंने इसे असंगत और उकसाने वाला कदम बताया है। रूस के सरकारी टीवी चौनल आरटी ने जहाज के अंदर से कुछ फुटेज भी जारी किए हैं। उसमें दिखाया गया है कि कैसे घने कोहरे के बीच दूर एक अमेरिकी कोस्ट गार्ड का जहाज उनका पीछा कर रहा है।

प्रसव मामले में चार सदस्यीय जाँच कमेटी के गठन का आदेश

एक बार फिर सवालों के घेरे में है शोहरतगढ़ के कुछ हॉस्पिटल?

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्रसव मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रजत चौरसिया ने शिकायतकर्ता विमला निवासी हलौरा, शोहरतगढ़ की बहू सावित्री पत्नी राजेश पासवान के प्रसव मामले को लेकर चार सदस्यीय कमेटी गठन का आदेश दिया है। जिसमें डॉ. एम.एम. त्रिपाठी नोडल अधिकारी नैदानिक स्थापना सिद्धार्थनगर, डॉ ए. के. आजाद अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़, डॉ गरिमा मिश्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सालय सिद्धार्थनगर, डॉ अविनाश चौधरी प्रभारी चिकित्साधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी का नाम अंकित है। शिकायतकर्ता की माने तो उसने उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही की मांग की थी। उसने शोहरतगढ़ में संचालित एक हॉस्पिटल का नाम लेकर आरोप लगाया कि उसकी बहू सावित्री पत्नी राजेश पासवान का डिलीवरी होना था। वह अपनी बहू की डिलीवरी करने के लिए दिनांक 01 दिसंबर 2025 को शोहरतगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गई थी, जहां शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के गोल्हौरा गांव की रहने वाली आशा कार्यकर्ती रेनू ने बताया कि तुम्हारी बहु का खून कम है और यहां खून नहीं मिल पायेगा और सरकारी हॉस्पिटल तो सरकारी होता है। प्राइवेट में सुविधा बहुत मिलती है। इस बात को कहते हुए आशा ने प्रार्थनी को इतना डरा दिया कि अगर वह सरकारी अस्पताल से अपनी बहू को प्राइवेट हॉस्पिटल में नहीं जाएगी तो उसकी बहू से साथ कुछ अनहोनी हो सकती है। उसने यह भी बताया कि प्राइवेट हॉस्पिटल में खून चढ़ जाता है। आशा रेनू मेरी बहू सावित्री को उसी दिन दिनांक 01/12/2024 को शोहरतगढ़ के एक प्राइवेट हॉस्पिटल जनहित हॉस्पिटल एण्ड फैक्चर क्लीनिक में गई जहां मेरी बहू का जबरिया ऑपरेशन करवा दिया गया। मेरे लड़को ने ऑनलाइन भी भुगतान किया था। दूसरे दिन 02/12/2025 को अस्पताल के संचालक डॉ अरविन्द तिवारी कहने लगे कि मरीज का पेशाब रुक गया है और इसे झटका भी आ रहा है। इसका इलाज गोरखपुर होगा और जबरिया 02/12/2025 को सुबह 6रू00 बजे ही हॉस्पिटल के मालिक अपने निजी वाहन से मेरी बहू को गोरखपुर इलाज के लिए भेज दिए कि तुम्हारी बहू की तबियत ज्यादे ख़राब हो गयी थी, इसलिए गोरखपुर में इलाज कराया जायेगा। प्रार्थिनी हॉस्पिटल के संचालक की बातों में आकर वह भी उसके साथ गोरखपुर चली गई। वहां एक प्राइवेट हॉस्पिटल में मेरी बहू को 3 दिनों तक रखा गया था, बेहतर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत दिन–ब–दिन खराब होती जा रही थी। मेरी बहू ने भी कहा की अम्मा यहां कुछ सुई–दवाई नहीं कर रहे है केवल ऑक्सीजन का मशीन लगाए हैं और इलाज नहीं कर रहे हैं हमको लेकर घर चलो। डॉक्टर अरविन्द तिवारी द्वारा भेजे गए अस्पताल में ज़ब कोई फायदा ही नहीं मिल रहा तो बहू की दर्द को देखकर वह उसे घर ले आई। फिर पैसे का इंतजाम करके 14/12/2025 को वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ गयी। जहां से मेरी बहू को जिला मुख्यालय रेफर कर दिया गया। इसके बाद जिला मुख्यालय से भी मेरी बहू को उसी दिन गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उसकी इलाज चल रही थी, लेकिन तीसरे दिन 16.12.2025 को मेरी बहू ने अपना दम तोड़ दिया और इसी शिकायत पर चार सदस्यीय टीम के गठन की बात बताई जा रही है। सवाल यह है कि कुछ आशाओं के मकड़जाल से आम जनता कब तक निजात पायेगी? सवाल यह भी है कि प्राइवेट हॉस्पिटल सरकार के मानक पर कितने खरे उतरते है? सवालिया यह भी है कि जब वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गई तो फिर आशाओं का मकड़जाल और दलालों का कारनामा उसे प्राइवेट हॉस्पिटलों तक कैसे पहुंचा देता है?

सोने की चेन छीनने में दो गिरफ्तार

जौनपुर(आरएनएस)।मडियाहूँ कोतवाली पुलिस ने कस्बा मडियाहूँ से एक महिला के गले से सोने की चेन झप्पटा मारकर ले जाने के सम्बन्ध मे थाना धारा 304 बीएनएस पंजीकृत किया था । जिसमे ताज मोहम्मद पुत्र मो0 उरमान निवासी तेजगढ थाना बरसठी व शुभम सेठ उर्फ बच्चा सेठ पुत्र गुलाब सेठ निवासी इदगाह रोड पश्चिम थाना मडियाहूँ का नाम प्रकाश मे आया जिन्हे पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर ददरा बाईपास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से महिला के गले से झप्पट मारी कि गयी चौन के बेचे हुए कुल 9800 रु व 01 मोटर साईकिल पल्सर काली बरामद किया गया ।

बाल विवाह न होने का शपथ दिलाया

जौनपुर(आरएनएस)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत थाना–सरपतहा पर विवाह से सम्बन्धित पक्ष विधिक जागरूकता, जागरूकता हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य बाल विवाह के घटनाओं को रोकना, समुदाय स्थल पर शून्य सहनशीलता का वातारण विकसित करना तथा कानूनों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से बालिकाओं एवं बालकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अध्यक्षता करते हुये क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान द्वारा बाल विवाह कुरीति के इतिहास, सामाजिक कुरीति का परिचय एवं बाल विवाह हेतु अब तक बने हुये कानून जैसे, बाल विवाह निरोधक अधिनियम के बारे में बताया। क्षेत्राधिकारी शाहगंज द्वारा बाल विवाह न होने देने हेतु सभी लोगों को शपथ भी दिलवाई गयी, साथ ही बाल विवाह के सम्बन्ध में जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का आयोजन भी किया गया।

बारात घर बनवाने को लेकर विधायक से मिले ग्रामीण

सिद्धौर, बाराबंकी। सिद्धौर क्षेत्र गुलामाबाद मजरे मीरापुर गांव स्थित कार्यालय परिसर पर ..... को क्षेत्रीय विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत ने जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को फोन पर दिशा–निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र के पंचायत नूरापुर प्रधान प्रतिनिधि विनोद सिंह ने ग्राम पहाड़ापुर खास में बारात घर बनाये जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जनता दर्शन में कोठी, सैदनपुर व पहाड़पुर समेत विभिन्न स्थानों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं बताईं। इनमें विवादित जमीनों पर कब्जे, पुलिस कार्रवाई व बिजली बिल से संबंधित मामले शामिल थे। विधायक ने सभी प्रार्थना पत्रों को लेकर फरियादियों को जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया। इसके लिए संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता भी की।

10 जनवरी तक बंद रहेंगे विद्यालयः डीएम

बाराबंकी। कड़ाके की पड़ रही ठंड के कारण जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए बाराबंकी जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी बोर्डों के कक्षा प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक संचालित समस्त सरकारी, गैर सरकारी, प्राइवेट विद्यालयों में आगामी 8 से 10 जनवरी तक अवकाश रखने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराई जाने संबंधी भी आदेश दिये हैं।

अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करे सरकारः नरेन्द्र वर्मा

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा ने अपने साथियों के साथ में जाकर अधिवक्ता प्रोटेक्शन सहित अन्य मांगों को लेकर एक ज्ञापन एडीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा। इस मौके पर बोलते हुए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने कहा कि उत्तरप्रदेश मे अधिवक्ता प्रोटेक्शन ऐक्ट शीघ्र लागू हो, रुदौली तहसील फैजाबाद से पुनः बाराबंकी मे जोड़ा जाये, बाराबंकी को फैजाबाद से कमीशनरी हटाकर लखनऊ मंडल मे जोड़ा जाये, अधिवक्ताओं का टोल टैक्स माफ हो, जूनियर अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु 5000रुपये मासिक नगद धनराशि दी जाये। उन्होने आगे कहा कि जिन अधिवक्ताओं की मौत हो चुकी है उनके परिवार के गुजर बसर के लिए शासन द्वारा उनकी पत्नी को 20000 रुपये की मासिक पेंशन दी जाये। ज्ञापन देने वालों मे देवराम यादव, मनोज कुमार सिंह अनुराग शुक्ला, पंकज रावत, नवनीत वर्मा, देशराज वर्मा, ब्रजेश वर्मा सीबी सिंह, मदनलाल यादव, ज्योति प्रकाश तिवारी, त्रिभुवन यादव आदि सैंकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

टायर फटने से अनियंत्रित हुआ ट्रक, ई–रिक्शा को मारी टक्कर, पलटा ई–रिक्शा

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। थाना ललिया क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसा हो गया। पीछे से आ रहे एक ट्रक का अगला टायर अचानक फट जाने से ट्रक अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे ई–रिक्शा से टकरा गया। टक्कर के बाद ई–रिक्शा सड़क किनारे खड्ड में पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना ललिया क्षेत्र के ग्राम कम्दी निवासी राहुल चौधरी अपने परिजनों व अन्य ग्रामीणों के साथ ई–रिक्शा से इकोना बाजार आधार संबंधी कार्य से लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक का अगला टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक ई–रिक्शा से टकरा गया। हादसे के बाद ई–रिक्शा पलट गया, जबकि ट्रक सड़क किनारे पलटते हुए रुक गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि ई–रिक्शा सवारों को हल्की चोटें आईं। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

खादी की प्रदर्शनी बना आकर्षण का केंद्र,रोजाना हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी2025 का आयोजन जनपद गोण्डा स्थित शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इण्टर कालेज (टामसन मैदान),कचहरी रोड में दिनांक 29 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है।प्रदर्शनी को जनसामान्य का भरपूर समर्थन मिल रहा है ।परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी,देवीपाटन मण्डल गोण्डा महेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदर्शनी के आयोजन काल में अब तक कुल रु. 165.37 लाख की रिकॉर्ड बिक्री की जा चुकी है।यह बिक्री खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है।प्रदर्शनी के अंतर्गत प्रतिदिन सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 07 जनवरी 2026 को जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र–छात्राओं द्वारा निबन्ध, भाषण, चित्रकला, नृत्य, फैशन शो एवं गीतों के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। एल.बी.एस. डिग्री कॉलेज की शशि शुक्ला द्वारा निबन्ध प्रस्तुति,जी.आई.सी. इंटर कॉलेज की अलंकृता जौहरी द्वारा चित्रकला तथा साधना प्रा. आई.टी.आई. दुल्हापुर बनकट की नैन्सी श्रीवास्तव द्वारा नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों की विशेष प्रशंसा प्राप्त की।इसके अतिरिक्त श्री गांधी विद्या मंदिर,भरत राम राम इंटर कॉलेज, एस.पी.के.पी. के इंटर कॉलेज, बी. आर. पाण्डेय इंटर कॉलेज, एस. टी. एंटोनी इंटर कॉलेज एवं रोजवुड इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। सायंकाल डी. सुजल ग्रुप,आगरा के कलाकारों द्वारा खादी फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया।प्रदर्शनी के माध्यम से खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ स्थानीय कारीगरों एवं उद्यमियों को विपणन का सशक्त मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस एवं परिवहन ने संयुक्त रूप से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में डीएम के निर्देशानुसार जनपद में सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन एवं महिला संगठनों के साथ संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस संयुक्त अभियान में सीओ ट्रैफिक गोंडा,एआरटीओ प्रशासन गोन्डा,एसएचओ महिला थाना गोंडा,टीआई गोन्डा,महिला पुलिस कांस्टेबल, प्रवर्तन दस्ते के सिपाही तथा महिला संगठन की सक्रिय सहभागिता रही।महिला थाना गोन्डा परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा से संबंधित स्टीकर एवं पोस्टर लगाकर आमजन को यातायात नियमों की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला पुलिस कांस्टेबलों द्वारा हाथों में सड़क सुरक्षा के नारे लिखी पत्रिकाएं लेकर लोगों को जागरूक किया गया।आमजन को बताया गया कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, गलत साइड ड्राइविंग से बचें, ओवरस्पीडिंग न करें तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करें।नियमों के पालन से न केवल स्वयं की बल्कि अन्य राहगीरों की जान भी सुरक्षित रहती है।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी ने यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।इसके अतिरिक्त "रोड सेफ्टी होल्डिंग", "राहवीर होल्डिंग" एवं "सड़क सुरक्षा" से संबंधित होर्डिंग जनपद के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों,प्रमुख चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगाए गए,ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें और यातायात नियमों के प्रति सजग हों।एआरटीओ प्रशासन आर.सी.भारतीय ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे,जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित,सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।जनपद प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

पछुआ हवाओं के प्रकोप से बढ़ी ठंड, जनजीवन प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती में इन दिनों पछुआ हवाओं के चलते भीषण ठंड का प्रकोप जारी है। शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में ठंड का असर साफ दिखाई दे रहा है। शाम ढलते ही बाजारों में सन्नाटा पसर जाता है और लोग आवश्यक कार्य निपटाकर शीघ्र अपने घरों की ओर लौटने लगते हैं। कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए लोग घरों में अलाव जलाकर समय बिता रहे हैं। वहीं नगर क्षेत्रों में नगर प्रशासन द्वारा जगह–जगह अलाव की व्यवस्था कराई गई है। सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण का कार्य भी जारी है। ठंड से सबसे अधिक प्रभावित गरीब व असहाय लोगों के लिए अस्थायी रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। शासन एवं प्रशासन द्वारा ठंड से बचाव के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जरूरतमंदों के सुख–दुख में सहभागी बनकर राहत कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत श्रावस्ती पुलिस पूरी तरह सक्रिय

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद श्रावस्ती में मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत पुलिस प्रशासन पूरी सक्रियता के साथ कार्यरत है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीमें जनपदभर में सतत गश्त व निगरानी कर रही हैं। भीड़भाड़ वाले बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, बस स्टैंडों व प्रमुख चौराहों पर टीमों की सक्रिय मौजूदगी से महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। महिला पुलिसकर्मियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराध से बचाव तथा 1090, 112, 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइनों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस द्वारा महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें निर्भीक होकर अपने दैनिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं में सुरक्षा की भावना और पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है।

विशालकाय अजगर देखते ही राहगीरों और ग्रामीणों में मचा हड़कंप,कर्मियों ने पकड़ा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के पहाड़ापुर और भंभुआ इलाके में सोमवार और बुधवार को सड़क किनारे और जंगल के पास विशालकाय अजगर दिखाई देने से स्थानीय लोगों और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया।तीन अलग–अलग जगहों पर अजगर के दिखाई देने की घटनाओं ने इलाके में उत्सुकता और डर दोनों पैदा कर दिए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को पहाड़ापुर नहर के बगल जंगल के पास एक विशाल अजगर देखा गया,जिसकी लंबाई तकरीबन 3 मीटर बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अजगर जंगल के पास रेंगते हुए दिखाई दिया।डर के मारे कई लोगों ने अपना रास्ता बदल लिया,जबकि कुछ ने मोबाइल फोन से वीडियो और फोटो भी बनाए।घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद अजगर को पकड़कर बोरे में बंद कर लिया। इस दौरान मौके पर काफी भीड़ जुट गई।वन विभाग और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार,इलाके में भीषण ठंड, भारी बारिश और जलभराव के बाद जंगली जीवों के मानव बस्तियों के पास आने की घटनाएं बढ़ गई हैं।अजगर की मौजूदगी को लेकर इलाके में कौतूहल और दहशत का मिश्रित माहौल देखा गया।

प्रशासन ने आमजन से अपील किया है कि अजगर या किसी भी जंगली जानवर को देखकर उसके पास न जाएं,तुरंत वन विभाग या संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। यह घटना स्थानीय लोगों के लिए सावधानी का अलर्ट भी है, जिससे किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

शास्त्रीय संगीत में आलोक ने की पीएचडी

बाराबंकी। कस्बा बिशुनपुर कस्बा निवासी आलोक जायसवाल ने अपने जिले और परिवार का मान बढ़ाया है, जिन्होंने शास्त्रीय संगीत में पी.एच.डी. करके जिले के प्रथम ऐसे व्यक्ति के रूप में अपना नाम दर्ज किया है।शुरू से ही अपनी पढ़ाई के साथदृसाथ गायन की प्रतिभा को सर आंखों पर रखते हुए वरीयता दी जिसका श्रेय वो अपनी माता स्वर्गीय गीता देवी को देते हैं क्योंकि उन्होंने ही संगीत का बीज अपनी संतानों में बोया था।संगीत की प्रारम्भिक शिक्षा भातखंडे संगीत संस्थान से प्रारंभ करके उसको इस मुकाम पर ले जाना एक सपना था जिसको प्राप्त करना किसी के लिए एक उपलब्धि से कम नहीं है।आज वो देश और विदेश के तमाम छात्रों को संगीत की शिक्षा प्रदान कर रहे हैं और वर्तमान में वो सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल गोमतीनगर में संगीत शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं।शास्त्रीय संगीत में पीएचडी, एम. पी.ए. निपुण, नेट और आकाशवाणी से बी. ग्रेड दोनों में आदि उपलब्धियां उन्हें शास्त्रीय गायन के गुरु डॉ विनीत पवैया, इत्यादि गुरुओं, माता पिता एवं ईश्वर की विशेष कृपा से प्राप्त हुई है।

जिला महिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत, परिजनों ने लगायें गंभीर आरोप, अस्पताल में हंगामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद का जिला महिला अस्पताल फिर से विवादों के केंद्र में है। बुधवार को डिलीवरी के बाद 35 वर्षीय मंजू की मौत ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही और पैसे लेकर इलाज न करने का आरोप लगाया और जमकर हंगामा किया।अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई।चर्चाओ से प्राप्त जानकारी के अनुसार ठकुरापुर गांव निवासी मुकेश अपनी पत्नी मंजू को प्रसव पीड़ा के चलते बुधवार शाम करीब 6रू30 बजे जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत भर्ती कर सीजेरियन ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के दौरान लड़के का जन्म हुआ, लेकिन इसके बाद मंजू की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकालते समय उनका चेहरा पूरी तरह काला पड़ चुका था और महिला मृत अवस्था में थी। इसके बावजूद अस्पताल स्टाफ द्वारा गुब्बारे से ऑक्सीजन देने का दिखावा किया जा रहा था। परिजनों के बार–बार विरोध करने पर ही उन्हें बताया गया कि महिला की मौत हो चुकी है।सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी नगर आनंद राय पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। हालात बेकाबू होते देख अस्पताल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।गोन्डा जिला महिला अस्पताल की यह दोहरी घटना सिर्फ मौत की कहानी नहीं है,बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही,पारदर्शिता और संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल है।अब जरूरत है निष्पक्ष और तेज़ जांच की, ताकि दोषियों को जिम्मेदारी तय करनी पड़े और भविष्य में किसी और परिवार को ऐसा दर्द न झेलना पड़े।मृतका के परिजनों ने महिला डॉक्टर सौम्या पर इलाज के दौरान पैसे मांगने का भी आरोप लगाया है।

जिलाधिकारी ने किया नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के वार्डो का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शिवशरणप्पा जीएन द्वारा नगर पालिका सिद्धार्थनगर के पूरब पड़ाव एवं परशुराम नगर वार्ड नम्बर 07 में पानी की टंकी एवं पम्प हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पूरब पड़ाव में पाइप लाइन में लीकेज पाया गया जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अधि0 अधि0 नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया। इसे माध्यम से 06 मोहल्लों में पानी की सप्लाई होती है। पानी की सप्लाई हो रही थी। कस्टम आफिस में सप्लाई हो रही पानी की जांच की गयी गुणवत्ता ठीक पाया गया। परशुराम नगर वार्ड नम्बर 07 में पानी की टंकी की साफ सफाई हो रही थी।

पुलिस ने ग्राम भैसहिया टोला भड़रिया की महिलाओं/बालिकाओं को पम्पलेट वितरित कर किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत ग्राम भैसहिया टोला भड़रिया में मिशन शक्ति व बहू/बेटी सम्मेलन के सम्बन्ध में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वन्दन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से सम्बन्धी जानकारी को बताया गया व जागरूक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर–112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एम्बुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारें में जानकारी दी गई।

एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा एवं थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के

शिल्पकारों का हुनर बनेगा विकसित भारत का आधार : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एमएसएमई विकास कार्यालय, वाराणसी द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत पंजी.त पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों हेतु आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी सह व्यापार मेले का शुभारंभ रामलीला मैदान, रॉबर्ट्सगंज, जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया, इस दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न स्टालों का भ्रमण किया और स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित उत्.ष्ट उत्पादों की सराहना भी की, जिलाधिकारी ने कहा कि शिल्पकारों के सर्वांगीण विकास तेजी लायी जाये, कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह और शिल्पकारों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना हमारे पारंपरिक हुनरमंदों को मुख्यधारा से जोड़ने का एक क्रांतिकारी कदम है उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सदियों से हमारे समाज की अर्थव्यवस्था की धुरी रहे बढ़ई, लोहार, कुम्हार और मूर्तिकार जैसे शिल्पकारों को आज नए भारत में वह सम्मान मिल रहा है जिसके वे हकदार हैं पीएम विश्वकर्मा योजना का लक्ष्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि आपके कौशल को आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करना है विपणन

सहायता उत्पादों की ब्रांडिंग और उन्हें ऑनलाइन/ऑफलाइन बाजारों से जोड़ने में सरकार मदद कर रही है उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना प्रारम्भ की गयी है जिसमें युवाओं को 5 लाख रूपये तक बिना ब्याज के ऋण सुविधा मिलती है जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि ये 9 जनवरी तक चलने वाले इस मेले में आकर पीएम विश्वकर्मा के कौशल को देखें और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को सिद्ध करें।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले प्रत्येक इच्छुक कारीगर का पंजीकरण और मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारीगरों को केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर मार्केटिंग, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे उनके उत्पादों की मांग एवं बाजार मूल्य में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम में एमएसएमई विकास कार्यालय, वाराणसी के निदेशक श्री एल.बी.एस. यादव ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के विभिन्न घटकों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, टूलकिट, ऋण सुविधा के साथ–साथ बाजार से जोड़ने हेतु तकनीकी एवं विपणन सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर रीतेश कुमार सिंह डी जी एम सिडबी, विनोद चौधरी उपायुक्त उद्योग सोनभद्र, रविन्द्र पटेल प्राचार्य, आई आई टी, सोनभद्र व एल डी एम सोनभद्र सालेन के साथ साथ जिले के अन्य विभागाध्यक्षों ने प्रतिभाग किया।

समूह सखियों द्वारा लगाया गया सोया पनीर प्लांट

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विकास खण्ड करमा के पापी क्लस्टर के केकराही में गुरुवार को समूह सखियों द्वारा सोया पनीर प्लांट लगाया गया। उक्त अवसर पर जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि खण्ड विकास अधिकारी के सहयोग से समूह की महिलाओं को सोया पनीर प्लांट स्थापित कराया गया है यह सोनभद्र में पहला ऐसा प्लांट है जिसमें समूह की महिलाओं द्वारा सोया प्लांट से दूध दही एवं पनीर बनाकर बाजार में विक्रय किया जाएगा जिसमें समूह की आमदनी के साथ बाजार में पहुंच बढ़ेगी एवं अपने उत्पादों का विक्रय सुनिश्चित होगा। जिला उपायुक्त स्वत रोजगार सरिता सिंह ने समूह सखियों से कहा कि इस योजना से जुड़कर स्वतः रोजगार अपनाए। उपायुक्त मनरेगा रविन्द्र वीर ने शासन द्वारा जारी योजनाओं को बताया। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरीके से ब्लॉक के अन्य क्लस्टरों में भी महिलाओं को जागरूक कर स्वतः रोजगार अपनाने पर बल दिया जाएगा। उक्त अवसर पर जिला मिशन प्रबंधक एमजी, रवि, अनन्त कुमार सिंह, पुनीत गुप्ता, जगदीशचंद, रंजना,सविता, साधना मौर्या, समेत समूह की महिलाएं मौजूद रहीं।

नो हेलमेट नो यूल का किया जाये पालन–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी

बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पेट्रोलियम एवं गैस एजेन्सी के विक्रय प्रबन्धको के साथ बैठक की गयी बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित विक्रय प्रबन्धकों को निर्देशित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश में एक माह के लिए सड़क सुरक्षा अभियान प्रारम्भ किया है इस अभियान के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया है कि सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाय, बैठक के दौरान उन्होनें कहा है कि पेट्रोल पम्पों पर अनाधि.त तरीके से वाहन खड़े न होने पाये अनाधि.त तरीके से वाहन खड़े हुए किसी पेट्रोल पम्प पर पाये जाते है तो सम्बन्धित पेट्रोल पम्प स्वामी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी और पेट्रोल पम्प के सामने सड़क पर अनाधि.त तरीके से क्रास कटिंग पायी जाने पर भी सम्बन्धित पेट्रोल पम्प स्वामी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी उन्होने कहाकि सड़क सुरक्षा माह के दौरान पेट्रोल पम्पों और उसके आस पास सड़क सुरक्षा से बचाव हेतु साइनेज बोर्ड लगाये जाये जिससे कि लोगों को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त हो उन्होने कहा कि पेट्रोल पम्पो पर नो हेलमेट नो यूल के नियम का पालन सुनिश्चित कराया जाये सड़को एव ढाबों आदि पर अनाधि.त तरीके से खड़े होने वाले वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये अनाधि.त तरीके से सड़को पर वाहन खड़े होने की स्थिति में कोहरें के दौरान दुर्घटना होने की अधिक सम्भावना बनी होती है इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाये। बैठक में उपस्थित अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव कुमार गुप्ता, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, ए0आर0ओ0 पृथ्वीराज सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति टीम ने गौरडीह गांव में नारी सुरक्षा, नारी सम्मान को लेकर महिलाओं/बालिकाओं को पम्पलेट वितरित किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक मिश्रौलिया राजेश तिवारी के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम ग्राम पंचायत गौरडीह में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को एकत्रित कर बहू/बेटी सम्मेलन व मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। सरकार के विभिन्न

सरकारी योजनाओं के बारें में जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वन्दन अधिनियम, मातृ शक्ति को स्वावलम्बन निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से सम्बन्धी जानकारी को बताया गया व जागरूक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति पुलिस टीम में उप निरीक्षक गोरखनाथ, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, महिला आरक्षी नीलम मौजूद रहीं।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरतार एवं पशु तस्करी में प्रयुक्त वाहन सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रायपुर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्रभारी निरीक्षक राम स्वरूप वर्मा द्वारा 07.01.2026 को वांछित अभियुक्तों की तलाश राबर्ट्सगंज में मौजूद थे कि इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त 'संतोष तिवारी पुत्र स्व० वैंकटेश्वर तिवारी, निवासी ग्राम सेमरा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 60 वर्ष' को शायं काल कुसुम्हा मोड़ बहद ग्राम मरकरी थाना रॉबर्ट्सगंज में एक मालवाहक टाटा मैजिक वाहन संख्या **UP 64 CT 1158**, जिसका इस्तेमाल पूर्व में गोवंश परिवहन में किया गया था, सहित 'मु०अ०सं० 03/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र के मामले में समय लगभग 15:15 बजे गिरतार किया।

दुद्धी विधायक का निधन अपुरणिय क्षति : रामनिहोर यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि जनपद सोनभद्र के विधानसभा–403–दूधी के 8 बार के विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री और आदिवासियों के मसीहा विजय सिंह गौड़ का लंबी बीमारी के कारण 8 जनवरी 2026 को प्रातः काल लखनऊ पीजीआई में निधन हो गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लखनऊ पीजीआई में जाकर उनके परिजनों से मिले और श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वहां से पार्थिव शरीर को जनपद सोनभद्र के लिए रवाना किये । पार्थिव शरीर शाम 6रू00 बजे जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर आ जाएगी और श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद दूधी के लिए प्रस्थान करेगी । 9 जनवरी 2026 को उनका पार्थिव शरीर निजी गांव खटौली पर दर्शन हेतु रखा जाएगा और उनके गांव पर ही दाह संस्कार किया जाएगा ।समाजवादी पार्टी जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र का झंडा उनके शोक में दो दिन तक झुका रहेगा ।उनके जाने से समाजवादी पार्टी की अपूरणिय क्षति हुई है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो पाएगी । समाजवादी पार्टी दिगवंत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की गई।

एचबीएल एसोसिएशन व परिवहन विभाग ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एचबीएल एसोसिएशन एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बस्ती रोडवेज तिराहे पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राहगीरों एवं वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में एचबीएल एसोसिएशन के संरक्षक प्रमोद ओझा ने दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी न केवल हमारी, बल्कि हमारे परिवार की भी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। आरटीओ प्रवर्तन सुरेश मौर्या ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश मौतें हेलमेट न पहनने या सीट बेल्ट न लगाने के कारण होती हैं। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने अमूल्य जीवन की रक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। अभियान के दौरान सम्भागीय परिवहन अधिकारी फरीदुद्दीन, आरटीओ प्रवर्तन सुरेश मौर्या, एचबीएल एसोसिएशन के संरक्षक प्रमोद ओझा, अध्यक्ष नीतेश श्रीवास्तव, महामंत्री नीलू बाबा, देवेन्द्र सिंह, आलोक श्रीवास्तव, रामचंद्र चौधरी, कबाड़ी बाबा, मु. रशीद सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया।

आयुष्मान कार्ड बनवा लें

जौनपुर। प्रभारी अधिकारी राजनैतिक पेंशनध्अपर जिलाधिकारी (भू०–राजस्व) ने अवगत कराया है कि 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जिसे प्रदेश सरकार द्वारा अपने आदेश 06 दिसम्बर 2024 द्वारा अंगीकृत कर लिया गया है।

समायोजन की समीक्षा के बाद शिक्षक हितों के लिये तेज होगा संघर्ष : उदयशंकर शुक्ल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि देश, प्रदेश का शिक्षक इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहा है। उस पर जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढी है किन्तु अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं। यहां तक कि बुढापे की लाठी पेंशन का लाभ हासिल करने के लिये अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा देश व्यापी आन्दोलन चलाया जा रहा है किन्तु केन्द्र और राज्य सरकारें पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं हो रही है। टेट की अनिवार्यता के सवाल को लेकर संघर्ष जारी है। संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय, प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय और सहायक अध्यापक

उच्च प्राथमिक विद्यालयों के रिक्त सभी पदों पर अध्यापकों की अन्तिम वरिष्ठता सूची जारी कराकर पदोन्नति की कार्यवाही कराया जायेगा। किसी भी स्तर पर अध्यापकों का शोषण नहीं होने पायेगा। कहा कि समायोजन की समीक्षा के बाद आन्दोलन की रणनीति तय की जायेगी। कहा कि 40 ऐप पर शिक्षकों से कार्य लिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकार इसे वापस ले। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये संघ अध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों को सुविधाओं से सम्पन्न किया जाय जिससे वे निजी विद्यालयों से बेहतर परिणाम दे सकें। सभी विद्यालयों में डेस्क, बेंच, बालक, बालिका एवं दिव्यांग शौचालय, कक्षा कक्ष के टाईलीकरण, विद्युत संयोजन की व्यवस्था हो। इस सम्बन्ध में संघ की ओर से शीघ्र ही शासन को ज्ञापन भेजा जायेगा कि जो विद्यालय सुविधाओं से वंचित है उन्हें संसाधनों से लैश किया जाय। श्री शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को नियमित करने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। कहा कि 2026 शिक्षकों के लिये निर्णायक साबित होगा। सांगठनिक ढांचे को मजबूत बनाने के लिये अभियान तेज किया जायेगा। संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार शिक्षकों से केवल शिक्षा का कार्य ले। स्थिति ये हैं कि एसआईआर से लेकर गैर शिक्षणेत्तर कार्य लिये जा रहे हैं। इसे रोका जाय। वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिये सचेत न हुये तो आने वाले दिनों मे चुनौतियां और बढ जायेगी। एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि प्रेस वार्ता में सतीश शंकर शुक्ल, , सन्तोष कुमार शुक्ल, रीता शुक्ला, दिवाकर सिंह, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, शैल शुक्ल, आनन्द सिंह, ओंकारनाथ उपाध्याय, सुनील पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, राजेश चौधरी, चन्द्रभान चौरसिया, योगेश्वर शुक्ल, ओम प्रकाश पाण्डेय, ओंकारनाथ चौधरी, सुशील उपाध्याय, नरेन्द्र दूबे, उदयशंकर पाण्डेय, अनिल सिंह, राजेश कुमार, के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने मिनी स्टेडियम कठपुरवा का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह गुरुवार को रावर्टसगंज ब्लाक के अन्तर्गत कठपुरवा गॉव में स्थित मिनी स्टेडियम का औचक निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने युवा कल्याण अधिकारी से जनपद के ब्लाको में स्थापित मिनी स्टेडियम के सम्बन्ध में जानकारी ली तो युवा कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया कि बभनी रावर्टसगंज, नगवा, घोरावल सहित जनपद के चार ब्लाको के ग्राम पंचायतो में मिनी स्टेडियम स्थापित है जिसके लिए खेल प्रशिक्षक के नियुक्ति हेतु प्रक्रिया चाल रही है सभी चारों स्टेडियम में एक–एक खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति की जायेगी जिस पर जिलाधिकारी ने युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने जनपद आगमन के दौरान कहा था कि जनपद के सभी विकास खण्डों में मिनी स्टेडियम बनाये जाये जिन विकास खण्डो में मिनी स्टेडियम अभी तक नहीं बना है उन विकास खण्डों में मिनी स्टेडियम हेतु स्थल का चयन करते हुए कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत की जाये यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाये इस दौरान जिलाधिकारी महोदय ने स्टेडियम के ग्राउण्ड का निरीक्षण किया ग्राउण्ड में पुरानी बिल्डिंग थी जो जीर्ण–शीर्ण अवस्था में थी जिस पर जिलाधिकारी ने युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त बिल्ड़िग के ध्वस्ती करण हेतु पत्राचार कराना सुनिश्चित करें। इस मौके पर युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाया अभियान, 07 वारण्टियों को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के आदेश के क्रम में वांछित/पुरस्कार घोषित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाये गये अभियान के तहत एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 07/08.01.2026 को जनपदीय पुलिस बल द्वारा कुल 07 वारण्टियों की गिरतारी/अभिरक्षा की गई, जिन्हे नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। वहीं आज दिनांक 07/08–01–2026 को गिरतार वारन्टी में आनन्द राय पुत्र उमाशंकर राय निवासी मकान नं0–538के/368 तुलसीपुरम, मोहल्ला व पोस्ट त्रिवेनीनगर थाना मदेयगंज जनपद, लखनऊ वाद सं0 1057/2024 धारा 147 ठछै, रग्घू पुत्र बुद्धू साकिन सिहोरवा थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर वाद संख्या 1870/14 धारा 323/325/50 4/452/506 भा0द0वि0, हरदास उर्फ हरिदास पुत्र बुद्धू साकिन सिहोरवा थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर वाद संख्या 1870/14 धारा 323/325/504/452/506 भा0द0वि0, सेवक उर्फ रामसेवक पुत्र राजाराम साकिन सिहोरवा थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर वाद संख्या 1870/14 धारा 323/325/504/452/506 भा0द0वि0, सहदेव पुत्र साधू साकिन सिहोरवा थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर वाद संख्या 1870/14 धारा 323/325/504/452/506 भा0द0वि0, चिनकू पुत्र जोखू निवासी मोहल्ला गांगुली इन्द्रिरानगर थाना बांसी जनपद सिद्धार्थनगर वाद संख्या 615/2018, सुधा बनाम त्रिभुवन धारा 498ए भा0द0सं0 व 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम एवं रामशब्द पुत्र देवी प्रसाद धोबी निवासी गागापुर थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर, वाद संख्या– 803/2007 धारा 323,325,504,506 भा0द0वि0 थाना त्रिलोकपुर है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

विराट कर्ण, नाभा नतेश नागबंधम की हाई-वोल्टेज क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग की

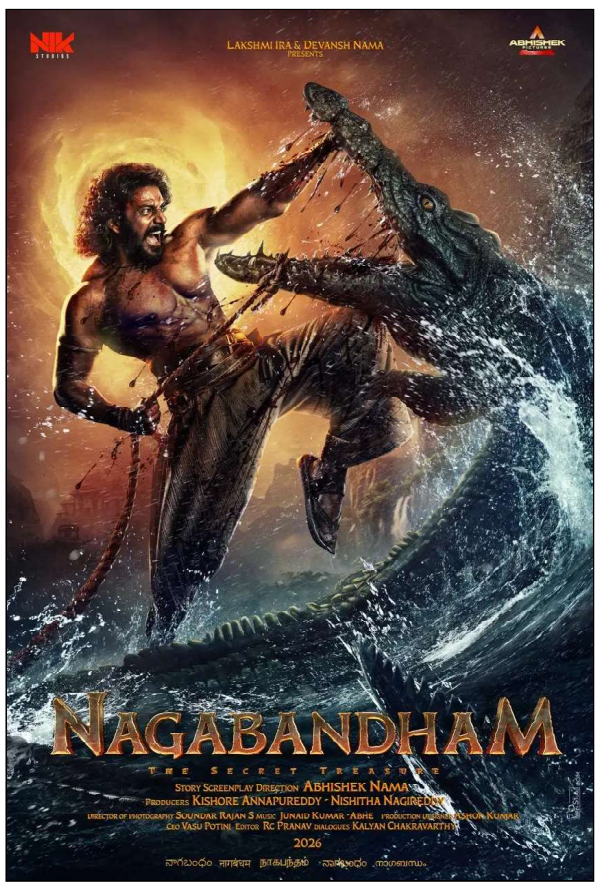

युवा नायक विराट कर्ण की आगामी अखिल भारतीय फिल्म नागबंधम एक और बड़ी उपलब्धि के साथ सुर्खियाँ बटोर रही है। दूरदर्शी फिल्म निर्माता अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित और किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा भव्य पैमाने पर निर्मित, यह फिल्म हाल के समय की सबसे महत्वाकांक्षी पौराणिक एक्शन मनोरंजक फिल्मों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। इस बीच, टीम नानकरामगुडा स्थित रामानायडू स्टूडियो में रोंगटे खड़े कर देने वाले क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग कर रही है। निर्माताओं ने एक बेजोड़ दृश्य अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ी हैकृसिर्फ क्लाइमेक्स पर ही 20 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिससे यह इस पैमाने की किसी भी अखिल भारतीय फिल्म में अब तक के सबसे महंगे सीक्वेंस में से एक बन गया है। क्लाइमेक्स एक विशाल द्वार के चारों ओर बने एक विशाल सेट पर घटित होता है – प्रतीकात्मक, प्रभावशाली, और अंतिम भाग की भावनात्मक और नाटकीय तीव्रता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया। प्रोडक्शन डिजाइनर अशोक कुमार और उनकी टीम ने इस विशाल सेट का निर्माण बहुत ही बारीकी से किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर विवरण कहानी के पैमाने और रहस्य को बढ़ाए।

क्लाइमेक्स के जबरदस्त विजन को जीवंत करने के लिए, टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित थाई स्टंट मास्टर केचा खम्फाकडी को चुना, जो वैश्विक ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी अद्भुत गतिशील एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाने जाते हैं। उनकी विशेषज्ञता दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाले स्टंट और युद्ध के दृश्यों को सुनिश्चित करती है, जिससे फिल्म की तीव्रता और भी बढ़ जाती है और ऐसा एक्शन जो जितना रोमांचक है उतना ही शानदार भी।

नागबंधम में एक शानदार कलाकार भी है, जिसमें नाभा नतेश और ईश्वर्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बीएस अविनाश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, सदियों पुराने रीति–रिवाजों पर आधारित एक पवित्र और गुप्त परंपरा, नागबंधम से जुड़े रहस्य को उजागर करती है। पद्मनाभस्वामी और पुरी जगन्नाथ जैसे मंदिरों में हाल ही में हुई प्रमुख खजानों की खोज से प्रेरित होकर, यह कथा मिथक, रहस्य और दैवीय संरक्षण की एक मनोरंजक कहानी बुनती है। समकालीन दृष्टिकोण से, यह कहानी लंबे समय से भूले–बिसरे रीति–रिवाजों और आध्यात्मिक विरासतों की पुनर्कल्पना करती है, और पौराणिक कथाओं को रहस्य के साथ मिश्रित करती है।

दृश्यात्मक रूप से समृद्ध और बारीकी से तैयार की गई इस फिल्म की छायांकन का जिम्मा सौंदर राजन एस ने संभाला है, जबकि संपादन का काम आर.सी. प्रणव ने संभाला है। नागबंधम तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में बहु–भाषा रिलीज के लिए तैयार है।

जैसे–जैसे उत्साह बढ़ रहा है, नागबंधम टीम जल्द ही प्रमोशनल गतिविधियों की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। रोमांचक टीजर, पर्दे के पीछे की झलकियाँ और प्रशंसकों की इंटरैक्टिव बातचीत देखने के लिए तैयार हो जाइए, जो इस भव्य रिलीज के लिए उत्सुकता को और बढ़ा देंगी।

अभिषेक नामा की रचनात्मक प्रतिभा और दमदार कलाकारों के साथ, नागबंधम एक ऐतिहासिक फिल्म बनने के लिए तैयार है, जिसमें रोमांचकारी एक्शन के साथ गहरी भावनात्मक गहराई का मिश्रण है। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे आप मिस नहीं करना चाहेंगे। अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ और नागबंधम पर नजर बनाए रखें। यह सिनेमाई सफर अविस्मरणीय होने का वादा करता है।

श्रद्धा कपूर कब करेंगी शादी? प्रशंसक के सवाल पर अभिनेत्री ने दिया ये जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी निजी जिंदगी को हमेशा दुनिया की नजरों से दूर रखना चाहती हैं। इसके बावजूद कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ उनकी शादी के चर्चे प्रशंसकों का

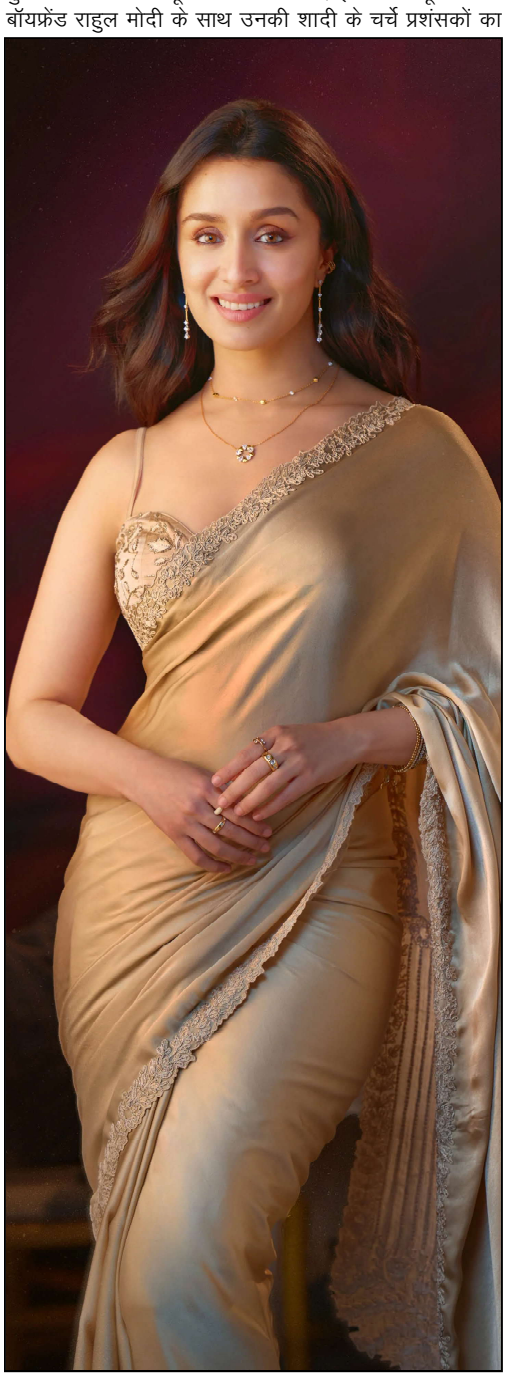

ध्यान खींचने आ जाते हैं। हाल ही में एक प्रशंसक ने श्रद्धा से उनकी शादी को लेकर सवाल पूछ ही डाला। सोशल मीडिया पर पूछे गए इस सवाल का अभिनेत्री ने ऐसा जवाब दिया है, जो अब खूब वायरल हो रहा है।

श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह बताती दिखीं कि आंकड़ों के हिसाब से सबसे ज्यादा ब्रेकअप वैलेंटाइन के आसपास होते हैं। उनके इस वीडियो पर एक प्रशंसक ने लिखा, श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे? जाहिर है कि अभिनेत्री अपनी हाजिरजवाबी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने तुरंत मजेदार जवाब दिया, मैं करूंगी, विवाह करूंगी। श्रद्धा के इस जवाब ने उन अटकलों को हवा दी है, जिसमें कहा जा रहा है कि वह जल्द शादी करेंगी।

लेखक राहुल मोदी के साथ, श्रद्धा का नाम लंबे समय से जुड़ रहा है। इन अफवाहों को हवा तब मिली, जब 2024 में एक डिनर के दौरान दोनों को साथ देखा गया था। कई मौकों पर श्रद्धा और राहुल साथ में नजर आए हैं, लेकिन दोनों ने रिश्ते की अफवाहों पर कभी बयान नहीं दिया। वहीं प्रशंसक अभिनेत्री की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। काम की बात करें तो श्रद्धा की आगामी फिल्में ईथा और नागिन हैं।

धुरंधर ने भारत में बनाया सबसे बड़ा रिकॉर्ड, मुंह ताकती रह गई पुष्पा 2

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर की सफलता 2026 में भी जारी है। फिल्म की तूफानी कमाई ने निर्माताओं को पहले ही मालामाल कर दिया था। अब इसने भारत में सबसे बड़ा इतिहास

रच दिया है। साफ–साफ शब्दों में कहें तो इसने 2024 में रिलीज, अल्लू अर्जुन अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 से उसकी हुकूमत को छीन लिया है और उस पर खुद कब्जा जमा लिया है। धुरंधर हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म बन गई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 33वें दिन यानी, मंगलवार को 4.25 करोड़ का कारोबार किया है। इसी के साथ रणवीर की फिल्म भारत में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 741 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो पुष्पा 2 (हिंदी) के 738 करोड़ रुपये के मुकाबले ज्यादा है। दोनों फिल्मों की कुल कमाई क्रमशः 893 करोड़ और 892 करोड़ रुपये है।

आग और धुएं के बीच हाथ में गन लिए डेयरिंग लुक में दिखे यश, टॉक्सिक के न्यू पोस्टर ने मचाया हंगामा

रॉकिंग स्टार यश आज 8 जनवरी को अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे. यश ने अपने बर्थडे पर फैंस के लिए अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक से बड़ा गिफ्ट तैयार कर लिया है. इससे पहले एक्टर ने फैंस का बड़ा सरप्राइज दिया है. यश का फिल्म टॉक्सिक से एक पोस्टर आया है और इस पोस्टर के साथ एक सरप्राइज भी, जो कल सुबह दर्शकों को मिलने वाला है. टॉक्सिक से कल टीजर रिलीज होगा या ट्रेलर इसका इंतजार है, लेकिन टॉक्सिक से आए यश के नए पोस्टर ने उनके फैंस की दिलों की धड़कनों को जरूर बढ़ा दिया है.

मेकर्स ने फिल्म टॉक्सिक से सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें यश का मास अवतार दिख रहा है. वह ऑल ब्लैक लुक में नजर आ रहे हैं और उनका लुक ऋतिक रोशन के कृष लुक से भी मैच कर रहा है. आग और धुएं के बीच हाथ में गन लिए यश का डेयरिंग लुक देखने को मिल रहा है. यकीनन यश अपनी इस फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. इस पोस्ट के साथ मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक सरप्राइज छोड़ा है. पोस्ट के साथ लिखा है, आज 8 जनवरी को सुबह 10.10 बजे धमाका होगा. अब यह सरप्राइज क्या होगा, कोई नहीं जानता. इस पोस्ट के कैप्शन में यह भी लिखा है, उस एक चीज का खुलासा करते हुए जिसके बारे में उन्होंने आपको चेतावनी दी थी. अब इस पोस्ट और लाइन के पीछे का क्या मकसद है, कल ही पता चलेगा.

टॉक्सिकरू ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स का इंतजार कर रहे यश के फैंस को बता दें, फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होने जा रही है. इस दिन फिल्म धुरंधर 2 भी रिलीज होगी. अभी तक 2026 का सबसे बड़ा क्लैश धुरंधर 2 और टॉक्सिक के बीच को माना जा रहा है. धुरंधर बीते एक महीने से अभी भी बॉक्स ऑफिस पर नोट छाप रही है और फिल्म का क्रेज खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है. अब लोगों को धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार है. वहीं, टॉक्सिक से यश पूरे चार साल बाद थिएटर में लौट रहे हैं. अब दर्शकों के लिए बड़ी दुविधा होगी कि वो पहले कौनसी फिल्म देखें. वहीं, अगर यह फिल्म एक साथ रिलीज हुई तो इनकी कमाई पर बड़ा असर पड़ने वाला है.

पुरानी साड़ियां फेंकने की बजाय उनका इन 5 तरीकों से करें दोबारा इस्तेमाल

अगर आपके पास पुरानी साड़ियां रखी हुई हैं तो उन्हें फेंकने की बजाय उनका दोबारा इस्तेमाल करें। ये साड़ियां न केवल आपकी यादों का हिस्सा होती हैं, बल्कि उन्हें नए और अलग तरीकों से उपयोग करके आप अपनी फैशन स्टाइल या घर की सजावट का हिस्सा बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और रचनात्मक आइडियाज देंगे, जिनसे आप अपनी पुरानी साड़ियों को नए अंदाज में पहन सकती हैं।

कुर्ती बनाएं: पुरानी साड़ियों से आप सुंदर कुर्ती बना सकती हैं। बस साड़ी के पल्लू को काटकर कुर्ती का आकार दें और उसे सिलाई करें। इसके लिए आप अपनी पसंदीदा डिजाइन चुन सकती हैं, जैसे कि कॉलर कम कुर्ती, बोट नेक या वी नेक। इस तरह आप अपनी पुरानी साड़ियों को नया रूप देकर उन्हें फैशन में शामिल कर सकती हैं। इससे न केवल आपकी पुरानी साड़ी का सही उपयोग होगा, बल्कि आप एक नया और अलग अंदाज भी पा सकेंगी।

बिस्तर की चादर बनाएं

पुरानी साड़ियों से आप बिस्तर की चादर भी बना सकती हैं। इसके लिए आप दो या तीन साड़ियों को मिलाकर एक बड़ी चादर बना सकती हैं, जिसमें तकिए के कवर भी शामिल हो सकते हैं। इस तरह आपके बेडरूम को मिलेगा एक नया और रंग–बिरंगा रूप, जो आपके कमरे को सजाने में मदद करेगा। इसके अलावा आप इस चादर सेट को अपने दोस्तों और परिवार वालों के साथ भी साझा कर सकती हैं। पर्दे बनाएं: पुरानी साड़ियों से आप अपने घर के लिए सुंदर पर्दे भी बना सकती हैं। बस साड़ी को लंबाई में काटकर उसमें छेद करके रस्सी डाल दें ताकि वह आसानी से लटक सके। इसके अलावा आप चाहें तो पर्दों पर कुछ कढ़ाई या कढ़ाई वाले पैच भी लगा सकती हैं, जिससे वे और भी आकर्षक दिखें। इस तरह आपके घर को मिलेगा एक नया और रंग–बिरंगा रूप, जो आपके कमरे को सजाने में मदद करेगा।

टेबल कवर बनाएं: अगर आपके घर में कोई टेबल कवर नहीं है तो आप उसे भी अपनी पुरानी साड़ियों से बना सकती हैं। इसके लिए बस साड़ी को टेबल के आकार में काट लें और उसकी किनारी को ठीक कर लें ताकि वह फटी न दिखे। इस तरह आपकी टेबल को मिलेगा एक नया और आकर्षक रूप, जो आपके कमरे को सजाएगा। इसके अलावा आप चाहें तो टेबल कवर पर कुछ कढ़ाई या पैच भी लगा सकती हैं।

बैग बनाएं: आप अपनी पुरानी साड़ियों से बैग भी बना सकती हैं। इसके लिए साड़ी को काटकर बैग का आकार दें और उसमें हैंडल लगा दें। आप चाहें तो बैग पर कुछ कढ़ाई या पैच भी लगा सकती हैं, जिससे वह और भी आकर्षक दिखेगा। इस तरह आप अपनी पुरानी साड़ियों को नए अंदाज में इस्तेमाल करके उन्हें बेहतरीन तरीके से फैशन में शामिल कर सकती हैं।